संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 160
पृष्ठ 8
गुरूवार
27 फरवरी 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com   सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- कोहनी के कालेपन को कहें अलविदा | **विचार-** मोटापे के खिलाफ मोदी का अभियान | **खेल-** युवराज के पिता योगराज बोले...

परिसीमन के बाद तमिलनाडु में एक भी लोकसभा सीट कम नहीं होगी: शाह

कोयंबटूर, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अमित शाह ने बुधवार को कहा कि परिसीमन के बाद तमिलनाडु के एक भी लोकसभा सीट कम नहीं होगी। श्री शाह ने आज पीलामेडु में भाजपा पार्टी कार्यालय का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करने और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रामनाथपुरम और तिरुवन्नामलाई में पार्टी कार्यालयों का उद्घाटन उद्घाटन किया। इसके बाद पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर तीखा प्रहार किया और प्रस्तावित परिसीमन के तहत तमिलनाडु सहित दक्षिणी राज्यों में एक भी लोकसभा सीट कम नहीं होगी। गौरतलब है कि श्री स्टालिन ने कहा था कि जनसंख्या के आधार पर किए जाने वाले परिसीमन के तहत तमिलनाडु में आठ लोकसभा सीटें कम हो जाएंगी। उन्होंने कहा था कि परिसीमन दक्षिणी राज्यों पर लटकी एक घातक तलवार है। उन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा करने और राज्य के अधिकारों की रक्षा के लिए पांच मार्च को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। श्री शाह ने श्री स्टालिन के दावे का पुरजोर खंडन करते हुए कहा कि परिसीमन प्रक्रिया के तहत तमिलनाडु सहित दक्षिणी राज्यों में एक भी सीट कम नहीं होगी। उन्होंने कहा, इसके बजाय सीटों की संख्या बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि 2025 में दिल्ली में सरकार बनाकर भाजपा के लिए एक नयी सुबह देखी गई और अब 2026 में (जब विधानसभा चुनाव होंगे) तमिलनाडु में एक नयी सुबह देखी जाएगी। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में द्रमुक के भ्रष्ट और राष्ट्र–विरोधी शासन को समाप्त करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, ष्वर्ष 2025 की शुरुआत दिल्ली में ऐतिहासिक जीत के साथ हुई है और हम 2026 का समापन तमिलनाडु में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार बनाकर करेंगे। उन्होंने कहा, तमिलनाडु में राजग सरकार बनने जा रही है। अब भाई–भतीजावाद खत्म होगा, भ्रष्टाचार मिटेगा और राष्ट्र–विरोधी ताकतों को जड़ से उखाड़ फेंका जाएगा। तमिलनाडु में विकास का एक नया युग शुरू होगा, जो भारत की समग्र प्रगति को गति देगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने सभी भाजपा कार्यकर्ताओं से नए जोश के साथ कमर कसने और 2026 में तमिलनाडु में राजग सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत से आगे बढ़ने की अपील करते हुए द्रमुक पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि द्रमुक के सभी नेताओं ने भ्रष्टाचार में मास्टर डिग्री हासिल की है। उन्होंने कहा, एक नेता नौकरी के लिए पैसे के घोटाले में फंसा है, दूसरा हवाला कारोबार में, तीसरा आय से अधिक संपत्ति के मामले में और चौथा कोयला घोटाले में फंसा है। यहां तक घ्घकि 2जी घोटाला भी अभी पूरी तरह से सुलझा नहीं है।ष उन्होंने आरोप लगाया कि कभी–कभी ऐसा लगता है कि द्रमुक ने चुनिंदा लोगों को ही सदस्यता दी है। केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा तमिलनाडु के लिए कोई धनराशि जारी नहीं करने के श्री स्टालिन के आरोप का खंडन करते हुए श्री शाह ने कहा कि केंद्र ने पिछले 10 वर्षों में राज्य के लिए पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि जारी की हैं। उन्होंने कहा, श्री स्टालिन का कहना है कि केंद्र की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार तमिलनाडु के साथ गलत व्यवहार कर रही है, लेकिन वास्तव में तमिलनाडु के साथ अन्याय तब हुआ जब केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार सत्ता में थी और आपके (द्रमुक) मंत्री भी इसका हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद अगर किसी नेता ने तमिलनाडु की संस्कृति और भाषा के लिए सबसे ज्यादा काम किया है, तो वह श्री मोदी हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यालय अन्य राजनीतिक दलों के कार्यालयों से अलग है। उन्होंने कहा, जहां अन्य दलों के लिए कार्यालय सिर्फ एक कार्यस्थल है, वहीं हमारे लिए भाजपा कार्यालय एक मंदिर की तरह है, जहां से हम पार्टी के मामलों का प्रबंधन करते हैं। उन्होंने कहा कि आज उद्घाटन किए गए तीन कार्यालय आने वाले दिनों में भाजपा के लिए जन संपर्क, जन भावनाओं के प्रति संवेदनशीलता और जन आंदोलनों के केंद्र बनेंगे।

महाशिवरात्रि पर महाकुंभ का अंतिम स्नान

- सीएम योगी ने भोलेनाथ को समर्पित किया आज का दिन
- 65 करोड़ से अधिक लोगों ने लगाई महाकुंभ का अंतिम स्नान पर्व

लखनऊ, संवाददाता। बुधवार को 'हर हर महादेव' के घोष के साथ प्रारंभ हो गया। बुधवार तड़के से ही श्रद्धालुओं का गंगा और संगम में डुबकी लगाना जारी है। इस बीच, सरकार ने श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की। अधिकारियों ने बताया कि सुबह आठ बजे तक 60 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। इस तरह से महाकुंभ में अब तक 65.37 करोड़ से अधिक श्रद्धालु गंगा और संगम में डुबकी लगा चुके हैं और शाम तक यह आंकड़ा 66 करोड़ को पार करने की संभावना है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाशिवरात्रि पर लोगों को बधाई देते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''महाकुंभ 2025, प्रयागराज में भगवान भोलेनाथ की उपासना को समर्पित महाशिवरात्रि के पावन स्नान पर्व पर आज त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए पधारे सभी पूज्य साधु संतों एवं श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन।'' उन्होंने कहा, ''त्रिभुवनपति भगवान शिव और पुण्य सलिला मां गंगा सभी का कल्याण करें, यही प्रार्थना है। हर हर महादेव। महाकुम्भ–2025, प्रयागराज में भगवान भोलेनाथ की उपासना को समर्पित महाशिवरात्रि के पावन स्नान पर्व पर आज त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाने हेतु पधारे सभी पूज्य साधु–संतों, कल्पवासियों एवं श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन! मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाकुंभ के अंतिम स्नान पर्व पर तड़के चार बजे से ही व्यवस्थाओं को देखने के लिए नियंत्रण कक्ष में पहुंच गए। गोरखपुर प्रवास के चलते उनके लिए गोरखनाथ मंदिर में ही नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जहां वह स्नान पर्व पर पल–पल की निगरानी करते नजर आए। सरकारी बयान के मुताबिक, इससे पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बसंत पंचमी और माघ पूर्णिमा अमृत स्नान के अवसर पर भी प्रातः से 'वॉर रूम' में अधिकारियों के साथ बैठक की थी और स्थिति पर नजर रखी थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु खजुराहो पहुंची, राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने की अगवानी

खजुराहो, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज विशेष विमान से मध्यप्रदेश के खजुराहो पहुंची, जहां पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उनकी अगवानी की। छतरपुर जिले के खजुराहो स्थित हवाईअड्डे पर राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु की

अगवानी के अवसर पर सेना, पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद थे। इसके बाद वे हेलीकॉप्टर से छतरपुर जिले में ही गढ़ा गांव स्थित बागेश्वर धाम के लिए रवाना हो गयीं। राष्ट्रपति बागेश्वर धाम परिसर में 251 कन्याओं के सामुहिक विवाह समारोह में शिरकत करेंगी। धाम के प्रमुख पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की ओर से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

महाकुंभ में न जाकर राहुल और उद्धव ने हिंदुत्व का अपमान किया : आठवले

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने आरोप लगाया कि शिवसेना (उबाठा) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महाकुंभ में न जाकर हिंदुत्व का अपमान किया है और हिंदू मतदाताओं को उनका बहिष्कार करना चाहिए। महाराष्ट्र के प्रमुख दलित नेता और भाजपा के सहयोगी अठावले ने कहा, ''ठाकरे हिंदुत्व के बारे में बात करते हैं, लेकिन उन्होंने प्रयागराज में चल रहे

महाकुंभ में भाग नहीं लिया।'' उन्होंने 'पीटीआई–वीडियो' से कहा, ''ठाकरे और गांधी परिवार ने महाकुंभ में भाग न लेकर हिंदुत्व का अपमान किया है। हिंदू होना और महाकुंभ में शामिल न होना हिंदुओं का अपमान है और हिंदुओं को उनका बहिष्कार करना चाहिए।'' केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री ने कहा, लोगों की भावनाओं को देखते हुए उन्हें महाकुंभ में हिस्सा लेना चाहिए था। आठवले ने कहा, ''वे हमेशा हिंदू वोट चाहते हैं, इसके बावजूद वे महाकुंभ में शामिल नहीं हुए। मुझे लगता है कि हिंदू मतदाताओं को उनका बहिष्कार करना चाहिए।''

कैग रिपोर्ट सार्वजनिक हो, पीएसी करे इसकी जांच : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने दिल्ली की आबकारी नीति पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट विधानसभा की पटल पर पेश करने का स्वागत किया है, लेकिन कहा है कि इसे सार्वजनिक कर लोक लेखा समिति (पीएसी) से इसकी जांच कराई जानी चाहिए। कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव तथा वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार ने कैग की 14 में से एक रिपोर्ट ही विधानसभा के पटल पर रखी है और इससे साफ है की शराब नीति घोटाले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शामिल है इसलिए रिपोर्ट को सार्वजनिक कर इस घोटाले को सबके सामने लाया जाना चाहिए। उन्होंने आबकारी घोटाले की व्यापक जांच कराने की मांग करते हुए कहा, "कांग्रेस को पहले से संदेह था कि इस नीति में बहुत सारी अनियमितताएं हैं जिससे सरकार के राजस्व पर असर पड़ने वाला है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने जांच एजेंसियों को शराब नीति से जुड़ी लिखित शिकायत भी की थी, जिसमें भाजपा के संलिप्त होने के भी सबूत थे। ऐसे में सवाल है कि विधानसभा में आबकारी नीति से जुड़ी सभी 14 रिपोर्ट्स पेश क्यों नहीं की गई। इस रिपोर्ट की पीएसी से जांच हो। इस पर जल्द से जल्द पीएसी बनाई जाए ताकि इस रिपोर्ट की जांच हो सके और जो भी लोग लूट में शामिल थे, उन्हें सजा मिले।" कांग्रेस नेताओं ने मांग करते हुए कहा, "हमारी मांग है कि इन रिपोर्ट्स को सार्वजनिक तौर पर चर्चा में लाया जाना चाहिए। भाजपा के कुछ बड़े नेता और तत्कालीन उप–राज्यपाल की भूमिका से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण सवाल हैं जिन्हें कैग रिपोर्ट में नजरअंदाज किया गया है। एक साल के अंदर तीन आबकारी निदेशक बदलने का निर्णय क्यों और किसने लिया। दिल्ली में शराब के नए ब्रांड्स को बढ़ावा देना का काम किया गया इसकी जांच होनी चाहिए।" केजरीवाल सरकार की शराब नीति को लागू करने की अनुमति तत्कालीन राज्यपाल ने दी थी आज तक इसकी जांच क्यों नहीं हुई। मास्टर प्लान का उल्लंघन कर शराब के ठेके खोलने के लाइसेंस कैसे दिए गए। उन्होंने कहा, "कैग रिपोर्ट को लूट, झूठ और फूट इन तीन शब्दों में बयां किया जा सकता है। रिपोर्ट से पता चलता है कि दिल्ली की जनता के पैसों को लुटाया गया।

सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में त्योहारों की महत्वपूर्ण भूमिका : जगदीप धनखड़

ईटानगर, एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर कहा कि त्योहार सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अरुणाचल प्रदेश के कामले जिले के बोसिमला में पहली बार संयुक्त मेगा न्योकुम युल्लो समारोह के दौरान श्री धनखड़ ने राज्य की विशाल जलविद्युत क्षमता की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य में 50 हजार मेगावाट की क्षमता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि एक मेगावाट बिजली पैदा करने के लिए 10 करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता होती है। इस क्षेत्र में पांच लाख करोड़ रुपये की भारी निवेश क्षमता है। कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय मंत्री एवं अरुणाचल पश्चिम लोक सभा सांसद किरेन रिजिजू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अरुणाचल प्रदेश में हुए विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने घोषणा की कि जल्द ही पूरा होने वाला ट्रांस–अरुणाचल राजमार्ग राज्य के हर जिला मुख्यालय को जोड़ेगा।

दो मई को खुलेंगे 11वें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम के कपाट

उखीमठ/देहरादून, एजेंसी। विश्व प्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग श्री केदारनाथ धाम के कपाट इस वर्ष ग्रीष्मकालीन दर्शनार्थ आगामी दो मई को प्रातरू सात बजे, बैशाख, मास, मिथुन राशि, वृष लग्न में विधि– विधान से खुलेंगे। इससे पूर्व, 27 अप्रैल को भगवान भैरवनाथ जी की पूजा होगी। जबकि बाबा केदार की पंच मुखी डोली 28 अप्रैल को श्री ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ से केदारनाथ धाम प्रस्थान करेगी। बुधवार को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर, श्री ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ में श्री केदारनाथ धाम के रावल भीमाशंकर लिंग, केदारनाथ, विधायक आशा नौटियाल, दायित्वधारी चंडीप्रसाद भट्ट एवं श्री बदरीनाथ – केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल सहित पंचगाई समिति के पदाधिकारियों, तथा सैकड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में धर्माचार्यों, वेदपाठियों द्वारा पंचाग गणना पश्चात विधि–

विधान से श्री केदारनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि निश्चित हुई। इस अवसर पर श्री ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ को भव्य रूप से फूलों से सजाया गया था। सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुजन श्री ओंकारेश्वर मंदिर दर्शन को पहुंचे। भगवान भोलेनाथ के भजन, कीर्तन का आयोजन भी हुआ तथा श्रद्धालुओं ने प्रसाद वितरण किया। इसके साथ ही, भगवान केदारनाथ की पंचमुखी डोली के श्री केदारनाथ धाम प्रस्थान का कार्यक्रम भी घोषित हो गया। बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने बताया कि कपाट खुलने की तिथि तय होने के साथ ही भगवान केदारनाथ की पंचमुखी डोली के श्री केदारनाथ धाम प्रस्थान का कार्यक्रम भी घोषित हो गया। जिसके अनुसार, 27 अप्रैल को भगवान भैरवनाथ जी की पूजा–अर्चना होगी। श्री केदारनाथ भगवान की पंचमुखी डोली 28 अप्रैल को श्री ओंकारेश्वर मंदिर से प्रस्थान कर रात्रि प्रवास के लिए प्रथम पड़ाव श्री विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी पहुंचेगी।

राजौरी में सेना के वाहन पर आतंकी हमला, सर्च ऑपरेशन जारी

राजौरी, एजेंसी। बुधवार दोपहर को राजौरी सेक्टर में एक आतंकवादी हमले की सूचना मिली जब अज्ञात बंदूकधारियों ने सुंदरबनी पुलिस स्टेशन सीमा के तहत फाल, मल्लाह के पास एक भारतीय सेना के वाहन पर गोलीबारी की। हमला दोपहर करीब 12रू45 बजे हुआ, जिसमें आतंकवादियों ने घटनास्थल से भागने से पहले सेना के काफिले पर 2–3 राउंड फायरिंग की। गोलीबारी के बाद सेना के जवानों ने तेजी से इलाके की घेराबंदी की और हमलावरों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया। घटना स्थल सुंदरबनी में सीआरपीएफ बटालियन मुख्यालय से लगभग 5–6 किमी दूर है। सुरक्षा बल क्षेत्र की छानबीन कर रहे हैं और स्थिति सामने आने पर विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है। वहीं, जम्मू–कश्मीर पुलिस ने पाकिस्तान स्थित दो आतंकवादी आकाओं की लाखों रुपये की संपत्ति मंगलवार को कुपवाड़ा जिले में कुर्क की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

'कुर्सी के लिए कभी दिल्ली का बेटा, कभी हरियाणा का लाल, अब पंजाब दा पुत्तर', केजरीवाल पर स्वाति मालीवाल का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा कि सत्ता के लिए वह एक बार खुद को दिल्ली का बेटा, एक बार हरियाणा का लाल और अब पंजाब दा पुत्तर कहते हैं। पार्टी प्रमुख के आवास पर केजरीवाल के पीए विभव कुमार द्वारा हमला किए जाने के बाद आप से दूरी बनाने वाली स्वाति ने हिंदी में एक पोस्ट में लिखा, कुर्सी के लिए कभी दिल्ली का

बेटा, कभी हरियाणा का लाल, अब पंजाब दा पुत्तर। उनकी एक्स पोस्ट को उन अटकलों की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है कि केजरीवाल पंजाब से राज्यसभा में प्रवेश कर सकते हैं। इस अफवाह को तब हवा मिली जब आप ने लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव में राज्यसभा सदस्य संजीव अरोड़ा को मैदान में उतारा। हालांकि, आप सूत्रों ने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि केजरीवाल उच्च सदन में नहीं जा रहे हैं। इससे पहले दिन में, आप ने राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा को लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव के लिए अपना उम्मीदवार नामित किया। यह घोषणा आप के राष्ट्रीय महासचिव संदीप पाठक ने एक्स पर एक पोस्ट में की। उपचुनाव की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। लुधियाना के उद्योगपति अरोड़ा 2022 से राज्यसभा के सदस्य हैं।

शहरी क्षेत्र से बंदरों का आतंक खत्म करने के लिए हो रहा काम, अब आवारा कुत्तों की समस्या होगी दूर: मीनाक्षी स्वरूप

मुजफ्फरनगर। नगर पालिका परिषद की चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप ने बुधवार को कहा कि शहर की जनता के हितों की रक्षा के साथ ही समस्याओं के निस्तारण के लिए नगर पालिका प्रशासन पूरी तरह से संवेदनशील होकर कार्य कर रहा है। लेकिन कुछ लोग अपनी नकारात्मक मानसिकता के कारण लगातार जनहितों के लिए किया जा रहे कार्य को अनदेखा करते हुए अपनी जिम्मेदारी निभाने के बजाय आरोप लगाकर जनता को गुमराह और भ्रमित करने का काम कर रहे हैं। वह खुद जानती हैं कि शहरी क्षेत्र में बंदर और आवारा कुत्तों की समस्या गंभीर है, इसके लिए पालिका ने सबसे पहले बंदरों को पकड़वाने के लिए काम किया और क्योंकि आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए कोई नियम नहीं है लेकिन फिर भी हम स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर इसका समाधान तलाश में में जुटे हुए हैं। पालिका दूसरे चरण में बंदर पकड़ो अभियान गुरुवार से प्रारंभ कर रही है, इससे पहले अभियान में ढाई सौ बंदरों को जंगल में छुड़वाया जा चुका है। बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में नगर क्षेत्र में आवारा कुत्तों और बंदरों के कारण लोगों को हो रही परेशानी को उठाते हुए एक महिला सभासद द्वारा यह आरोप लगाया गया है कि उनके द्वारा बोर्ड मीटिंग में बंदरों से निजात दिलाने के लिए आवाज उठाई गई थी लेकिन पालिका ने कोई काम नहीं किया और उन्होंने इसी कारण बोर्ड बैठक में जाना ही छोड़ दिया है।

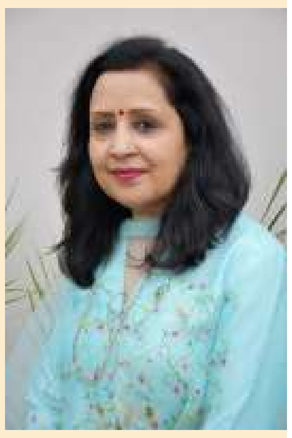

इसी को लेकर नगर पालिका परिषद की चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप ने बताया कि पालिका प्रशासन जनहितों के लिए संवेदनशील होकर काम कर रहा है। जनता की समस्याओं के निस्तारण के लिए संपूर्ण बोर्ड एक साथ रहते हुए अनेक फैसला ले रहा है। पालिका द्वारा शहरी क्षेत्र से बंदरों को पकड़ने का अभियान बहुत पहले शुरू कर दिया गया है। बोर्ड की स्वीकृति मिलने के बाद पालिका द्वारा अन्वी एंटरप्राइजेज को बंदर पकड़ने का ठेका दिया गया है जिसमें प्रति बंदर ঌ500 का भुगतान पे किया गया है। मीनाक्षी स्वरूप ने बतलाया कि पहले चरण में ठेकेदार फर्म के द्वारा विशेष टीम बुलाकर शहरी क्षेत्र में अभियान चलाते हुए ढाई सौ बंदरों को पकड़ा गया था और इनको शुक्तिर्थ जंगल में छोड़ा जा चुका है। इस अभियान का दूसरा चरण शुरू करने की तैयारी पूर्ण की जा चुकी है। गुरुवार 27 फरवरी से इसका शुभारंभ शहर के वार्ड 49 से किया जाएगा। टीम अपनी तैयारी के साथ शहर में आ चुकी है बुधवार को महाशिवरात्रि होने के कारण यह अभियान शुरू नहीं किया जा सका है। इसके साथ ही शहर में बढ़ रही आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए भी पालिका पूरी गंभीरता के साथ काम कर रही है। लेकिन पशु क्रूरता नियमों के चलते आवारा कुत्तों को पकड़ नहीं जा सकता है इसके लिए बने नियमों के अनुसार उनकी नसबंदी करने पर हमने विचार किया है। इसके लिए हमने स्वास्थ्य विभाग से विशेषज्ञ चिकित्सक और टीम की मांग की है। शीघ्र ही टीम मिलने का आश्वासन पालिका को मिला है टीम मिलने के बाद पालिका शहर के सभी वार्डों में आवारा कुत्तों की नसबंदी करने का काम करेगी ताकि इनके प्रजनन को रोका जा सके।

चेयरपर्सन मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि हम सभी जनता के प्रति अपने दायित्वों से बंधे हैं। हमें जनता के हितों के लिए बोर्ड बैठक में आकर अपनी बात रखनी चाहिए। बोर्ड बैठक में ना आना या इसका बहिष्कार करना यह साबित करता है कि ऐसी सोच के लोग जनता के हितों के प्रति ना तो वफादार हैं और ना ही जनता के दिए गई जिम्मेदारी को निभाने के काबिल हैं।अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लेना किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता है। हमें जनता के बीच रहकर चुनौतियों से निपटते हुए जनता के लिए काम करना है इसीलिए जनता ने वोट देकर हमें यहां भेजा है। उन्होंने विश्वास दिलाते हुए कहा कि जनता की हर समस्या के लिए पालिका प्रशासन अपनी पूर्ण जिम्मेदारी के साथ काम करेगा। कोई भी व्यक्ति अभियान के दौरान अपने क्षेत्र में बंदर पकड़वाने के लिए पालिका के मुख्य कार्यालय या स्वयं उनके कैंप कार्यालय पटेल नगर आकर अपनी समस्या रख सकता है।

महाशिवरात्रि पर उमडी भीड़, चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा के इंतजाम

महाकुम्भ नगर। महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ी है। अत्यधिक भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए है। संगम सहित अन्य घाटों पर पुलिस के अलावा बीएसएफ, सीआरपी, सीआरपीएफ सहित अन्य अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। संगम घाट पर जाने

वाले स्नानार्थियों की सुरक्षा के लिए रस्सी की बैरिकेडिंग लगाकर आने व जाने का अलग–अलग मार्ग तय किया गया है। मेला क्षेत्र से लेकर सड़कों पर भी जगह–जगह सुरक्षा बल की चौकसी रहेगी। मेला क्षेत्र को 27 फरवरी की सुबह आठ बजे अथवा भीड़ समाप्त होने तक नो–ह्वीकल जोन घोषित किया गया है। प्रयागराज को जोड़ने वाले सभी सात प्रमुख मार्गों के लिए रूट डायवर्जन की व्यवस्था की गई है। विभिन्न रूटों से आने वाले श्रद्धालुओं को मेला में आगमन व प्रस्थान के लिए निर्धारित अलग–अलग मार्ग से भेजा जा रहा है। श्रद्धालुओं के लिए स्नान के बाद अलग–अलग शिवालयों में दर्शन की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं को निकटतम घाटों पर स्नान करने की ही छूट दी जा रही है। मेला में चहुंओर लगे लाउड स्पीकर से अपने निकटतम घाटों पर ही स्नान करने, घाटों पर बेवजह बैठने और स्नान करने के उपरांत अपने–अपने गंतव्य को रवाना होने की अपील की जा रही है। डीआईजी कुम्भ वैभव कृष्ण और एसएसपी कुम्भ राजेश द्विवेदी मयफोर्स मेला क्षेत्र में भ्रमण कर स्थिति का जायजा लेने में जुटे हैं।

महाशिवरात्रि के बाद ये ट्रेनें नहीं आएंगी प्रयागराज, होली के लिए इन ट्रेनों का इंतजाम, देखें

प्रयागराज। महाशिवरात्रि के बाद भी संभावित भीड़ को देखते हुए रेलवे ने लम्बी दूरी की 14 ट्रेनों को डायवर्ट कर दिया गया। ये ट्रेनें प्रयागराज जंक्शन होकर नहीं गुजरेंगी। 28 फरवरी को 12562 नई दिल्ली जय नगर, 15657 दिल्ली कामख्या, 12506 आनंद विहार ट. कामख्या, 12488 आनंद विहार ट. जोगबनी, 15484 दिल्ली अलीपुरद्वार, 12165 लोकमान्य तिलक ट, गोरखपुर, 12539 यशवंतपुर लखनऊ, 15017 लोकमान्य तिलक ट. गोरखपुर, 11061 लोकमान्य तिलक जय नगर, 18205 दुर्ग नौतनवा, 11071 लोकमान्य तिलक बलिया, 11037 पुणे गोरखपुर, 22969 ओखा बनारस, 22535 रामेश्वरम बनारस प्रयागराज होकर नहीं गुजरेंगी। वापसी में भी ये ट्रेनें झांसी व कानपुर होकर जाएंगी। एक मार्च को भी दिल्ली कामख्या, आनंद विहार कामख्या, लोकमान्य तिलक गोरखपुर, लोकमान्य तिलक जय नगर, लोकमान्य तिलक बलिया, रांची और दादर बलिया मार्ग बदलकर चलेंगी।

प्रयागराज एक्सप्रेस होली तक सूबेदारगंज से चलेगी

महाकुंभ शुरू होने से पहले ही नई दिल्ली रूट की प्रयागराज एक्सप्रेस समेत अन्य वीआईपी ट्रेनों को सूबेदारगंज शिफ्ट कर दिया गया था। 28 फरवरी के बाद इन ट्रेनों का फिर से प्रयागराज जंक्शन पर संचालन होना था लेकिन आगामी भीड़ को देखते हुए अब होली तक इन्हें सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन से संचालित किया जाएगा इस दौरान ट्रेन नंबर 22437ध्12275 हमसफर एक्सप्रेस को दो घंटे रीशेड्यूल किया गया है। यह सूबेदारगंज से 22रू35 बजे की जगह टर्मिनल परिवर्तन के बाद अगले दिन 00रू30 बजे प्रस्थान करेगी। उदाहरण के लिए 22437 हम सफर यात्रा प्रारंभ की तिथि एक मार्च थी जो सूबेदारगंज से दो मार्च को रात साढ़े 12 बजे प्रस्थान करेगी।

8 ट्रेनों में दोनों तरफ इंजन

रेलवे ने आठ ट्रेनों के दोनों तरफ इंजन लगाया है। ट्रेन नंबर 11107 ग्वालियर–बनारस, 11108 बनारस–ग्वालियर, 13309 चोपन–प्रयागराज, 13310 प्रयागराज–चोपन, 15076 टनकपुर–शक्तिनगर, 15074 टनकपुर–सिंगरौली, 15075 शक्तिनगर–टनकपुर और सिंगरौली–टनकपुर में दोनों तरफ इंजन लगा है।

इन ट्रेनों का संचालन सूबेदारगंज से होगा

– 12417 प्रयागराज एक्सप्रेस 15 मार्च तक

– 12418 प्रयागराज एक्सप्रेस 14 मार्च तक

– 12403 प्रयागराज बीकानेर एक्सप्रेस 15 मार्च तक

– 12404 प्रयागराज बीकानेर एक्सप्रेस 14 मार्च तक

– 20403 प्रयागराज–लालगढ़ एक्सप्रेस 14 मार्च तक

– 20404 प्रयागराज लालगढ़ एक्सप्रेस 13 मार्च तक

– 22438 हमसफर एक्सप्रेस 13 मार्च तक

– 12276 हमसफर एक्सप्रेस 14 मार्च तक

– 22437 हमसफर एक्सप्रेस 15 14 मार्च तक

महाशिवरात्रि पर इस बार 21.46 घंटे तक स्नान का महापुण्यकाल

महाकुंभ नगर (प्रयागराज)। इस महायोग में संगम में श्रद्धालु पुण्य की डुबकी लगाएंगे। मकर राशि पर चंद्रमा के गोचर करने के साथ ही परिघ योग में संगम में डुबकी से आखिरी स्नान पर्व का पुण्य सनातनधर्मी अर्जित करेंगे।

महाशिवरात्रि पर इस बार 21. 46 घंटे का पुण्यकाल बन रहा है। इस महायोग में संगम में श्रद्धालु पुण्य की डुबकी लगाएंगे। मकर राशि पर चंद्रमा के गोचर करने के साथ ही परिघ योग में संगम में डुबकी से आखिरी स्नान पर्व का पुण्य सनातनधर्मी अर्जित करेंगे।

पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत बुधवार को दिन के 11रू 08 बजे होगी। बृहस्पतिवार की सुबह 08रू 54 बजे तक चतुर्दशी रहेगी। ऐसे में महाशिवरात्रि पर स्नान का पुण्यकाल बृहस्पतिवार की सुबह नौ बजे तक रहेगा। इसके अलावा स्नान के कई मुहूर्त बन रहे हैं। ज्योतिषाचार्य पं. ब्रजेंद्र मिश्र के मुताबिक महाशिवरात्रि के दिन ब्रह्म मुहूर्त की शुरुआत 05रू09 बजे होगी। ब्रह्म मुहूर्त का समापन 5रू 59 बजे हो जाएगा।

गोधूलि मुहूर्त शाम 6रू16 बजे शुरु होगा। यह मुहूर्त शाम 6रू 42 बजे तक रहेगा। इसके बाद निशीथ काल मुहूर्त रात 12रू09 बजे से 12रू 59 बजे तक रहेगा। महाशिवरात्रि के दिन ब्रह्म मुहूर्त में महाकुंभ का अंतिम स्नान शुरू होगा। ब्रह्म मुहूर्त में संगम में स्नान करना विशेष फलदायी होता है।

इसके अलावा महाशिवरात्रि के दिन महाकुंभ में किसी भी समय आस्था की डुबकी लगाई जा सकती है। धनिष्ठा नक्षत्र, परिघ योग, शकुनी करण और मकर राशि पर चंद्रमा की उपस्थिति रहेगी। इस दिन आराधना से शिव जी की कृपा प्राप्त होती है।

महाशिवरात्रि पर शास्त्रीय मान्यता के अनुसार चार प्रहर की पूजा का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यता के अनुसार चार प्रहर की साधना से धन, यश, प्रतिष्ठा और समृद्धि प्राप्त होती है। जिनके जीवन में संतान संबंधी बाधा हो रही हो, उन्हें भी यह साधना अवश्य करनी चाहिए।

महाशिवरात्रि पर शिव मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़, संगम से शिवालयों तक गूंजा हर–हर महादेव

प्रयागराज। संगम तट पर 45 दिनों से चल रहे महाकुंभ के आखिरी स्नान पर्व महाशिवरात्रि में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। संगम और गंगा यमुना में पुण्य की डुबकी लगाने के बाद श्रद्धालु शहर के विभिन्न शिव मंदिरों में जाकर भगवान भोले शंकर का जलाभिषेक कर रहे हैं।

संगम तट पर 45 दिनों से चल रहे महाकुंभ के आखिरी स्नान पर्व महाशिवरात्रि में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। संगम और गंगा यमुना में पुण्य की डुबकी लगाने के बाद श्रद्धालु शहर के विभिन्न शिव मंदिरों में जाकर भगवान भोले शंकर का जलाभिषेक कर रहे हैं। बाहर से आए श्रद्धालुओं में खासतौर पर महाकुंभ नगर में बने पौराणिक शिव मंदिरों में भगवान शिव की अराधना और जलाभिषेक की उत्सुकता देखी गई। मेला प्रशासन की ओर से भी मंदिरों में भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

भगवान विष्णु का उपासना क्षेत्र प्रयागराज शिव आराधना के महापर्व महाशिवरात्रि में शिवमय हो गया है। ब्रह्म मुहूर्त से ही शहर के सभी शिव मंदिरों में शिव भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। त्रिवेणी के तट पर चल रहे महाकुम्भ का आखिरी पुण्य स्नान करके श्रद्धालु निकट के शिव मंदिरों में पहुंच रहे हैं। सरस्वती घाट के निकट सिद्ध पीठ मनकामेश्वर में सुबह से लाखों लोग जलाभिषेक कर चुके हैं। सृष्टि के प्रथम शिव मंदिर के रूप में पुराणों में उल्लेखित दारागंज के ब्रह्मेश्वर महादेव मंदिर में भी सुबह से भक्तों का तांता लगा हुआ है। मां गंगा में पवित्र स्नान कर शिव भक्त ब्रह्मेश्वर महादेव और शिवकुटी के कोटेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक कर रहे हैं। अरैल के विभिन्न घाटों में स्नान कर शिव भक्त निकट के सोमेश्वर महादेव मंदिर में भोले भंडारी का जलाभिषेक कर रहे हैं।

महाकुंभ के अंतिम स्नान पर्व पर 3 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के संगम के पावन जल में पुण्य स्नान का प्रशासन का अनुमान है। श्रद्धालुओं का यह जन सैलाब पवित्र नदियों में स्नान कर सीधे शिव मंदिरों में जलाभिषेक के लिए जा रहा है। इसे देखते हुए महा कुम्भ प्रशासन ने शिवालयों में भारी सुरक्षा व्यवस्था की है। सभी प्रमुख शिव मंदिरों में पुलिस के साथ अर्द्ध सैनिक बल भी तैनात किए गए हैं। श्रद्धालु पूरी व्यवस्था और सुगमता के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक कर अपने अपने गंतव्य स्थलों के लिए रवाना हो रहे हैं।

विदेशी श्रद्धालुओं ने साझा किए अनुभव, महाकुंभ को बताया अद्भुत और अविस्मरणीय पल

प्रयागराज। महाकुंभ अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है और महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर त्रिवेणी संगम में देश–विदेश से आए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

महाकुंभ अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है और महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर त्रिवेणी संगम में देश–विदेश से आए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। लंदन, ब्राजील, मैक्सिको और अमेरिका समेत दुनिया के कई अन्य देशों से आए श्रद्धालुओं ने गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में पवित्र स्नान किया और भारतीय संस्कृति की गहराई को करीब से महसूस किया। इन विदेशी श्रद्धालुओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए इसे जीवन का अविस्मरणीय पल बताया। उल्लेखनीय है कि 13 जनवरी से 26 फरवरी के मध्य आयोजित किए गए महाकुंभ ने विश्व भर से करोड़ों श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित किया। विदेशी भक्तों के अनुभव इस बात का प्रमाण हैं कि महाकुंभ न केवल एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और आतिथ्य का वैश्विक मंच भी बन गया है।

लंदन से आईं एक श्रद्धालु ने भावुक होकर कहा कि यहां आकर मुझे बहुत खुशी और शांति मिली। भीड़ का माहौल अनुभव करने लायक है, यह अद्भुत है। आज हर कोई उत्सव मना रहा है, यह मेरे पिछले दिनों से भी ज्यादा खास लग रहा है। मैंने इसे जीवन में एक बार मिलने वाला मौका समझा और अपनी सारी योजनाएं रद कर यहां आ गई। यह मेरे लिए इतना महत्वपूर्ण था। उन्होंने आगे कहा कि यहां के लोग बहुत स्वागत करने वाले और दोस्ताना हैं। मैं भारतीय संस्कृति और रोजमर्रा की होने वाली पूजा–अर्चना के महत्व के बारे में बहुत कुछ सीख रही हूं। यह देखना भी खूबसूरत है कि लोग गंगा का जल अपने परिवार के उन सदस्यों के लिए ले जा रहे हैं जो यहां नहीं आ सके।

महाकुम्भ मेले में आना जादूई और दिल को छूने वाला अनुभव: प्रीति जिंटा

महाकुम्भ। अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने महाशिवरात्रि पर संगम स्नान किया। महाकुम्भ में सोमवार को आईं प्रीति जिंटा ने संगम में डुबकी लगाने के बाद कहा कि यहां आना दिल छू लेना वाला है। महाकुम्भ मेले में आना जादूई अनुभव है। प्रीति ने सोशल मीडिया एकाउंट पर लिखा, जीवन–मृत्यु के चक्रों से मुक्त होने की इच्छा के बीच जीवन और आसक्ति के बीच द्वंद्व का अहसास हुआ। हम आध्यात्मिक अनुभव वाले मनुष्य नहीं हैं, बल्कि आध यात्मिक प्राणी हैं, जो मानवीय अनुभव कर रहे हैं। अंत में उन्होने लिखा है, सभी जिज्ञासाओं का उत्तर पाने का मार्ग प्रशस्त करेगी, उनकी यह आध यात्मिक यात्रा। प्रीति अपनी मां के साथ संगम सनान करने आई थी।

पीड़ित परिवार से करनावल से मिलने पहुंचे मंत्री असीम अरुण

–विधायक की अध्यक्षता में छात्रों की समिति बनाने के दिये निर्देश

मथुरा। समाज कल्याण कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं मंत्री अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति विभाग उत्तर प्रदेश सरकार असीम अरुण ने मथुरा का दौरा किया। जिसमें उनके द्वारा राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास बालक बालिका सिविल लाइन मथुरा का निरीक्षण किया। जिसमें उनके द्वारा निरीक्षण के दौरान उपलब्ध बजट का शत प्रतिशत नियमानुसार व्यय किये जाने एवं छात्रावास की पेंटिंग, पुताई, साफ सफाई इत्यादि कार्य कराये जाने के निर्देश दिये गये। साथ ही उनके द्वारा छात्रावासों में सिडको द्वारा कराये गये कार्यों का निरीक्षण भी किया। उनके द्वारा अधीक्षक अधीक्षिका राजकीय छात्रावास बालक बालिका तथा जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया गया कि क्षेत्रीय विधायक की अध्यक्षता में छात्रों

की समिति बनाते हुए उनके पर्यवेक्षण में कार्य कराये जाएं। छात्रावास में खाली पड़ी जमीन के सम्बन्ध में छात्रावास में निवासरत छात्रों से जमीन पर वृक्षारोपण करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।निरीक्षण के पश्चात् असीम अरूण ने करनावल गांव में पंहुचकर पीड़ित परिवारजनों से मुलाकात की तथा आरोपित व्यक्तियों के खिलाफ अतिशीघ्र कार्यवाही किए जाने के लिए आश्वासन दिया। उन्होंने जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय को सख्त कार्यवाही किए जाने के लिए निर्देशित किया। इसके पश्चात जनपद मथुरा में सिडको द्वारा निर्माणाधीन राजकीय जय प्रकाश नारायण सर्वोदय आश्रम पद्धति विद्यालय बाटी मथुरा का निरीक्षण किया गया तथा सिडको को अति शीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण किये जाने के लिए निर्देश दिये गये। जिला समाज कल्याण अधिकारी को आगामी सत्र में विद्यालय संचालित किये जाने के लिए स्टाफ की नियुक्ति तथा छात्रों के प्रवेश के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही किये जाने एवं माह अप्रैल में विद्यालय का उद्घाटन करते हुए विद्यालय संचालन करने के निर्देश दिये गये। विद्यालय संचालन के सम्बन्ध में निदेशक समाज कल्याण उत्तर प्रदेश लखनऊ से दूरभाष पर अति शीघ्र विद्यालय का संचालन कराये जाने के सम्बन्ध में वार्ता भी की गयी। इस दौरान मंत्री के साथ विधायक पूरन प्रकाश, विधायक ठा.मेघश्याम सिंह, भाजपा महानगर अध्यक्ष घनश्याम लोधी, जिलाधिकारी, एसएसपी सहित दूसरे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

श्री राधाकृष्ण वेलफेयर ट्रस्ट रजिस्टर्ड दिव्यांगों को समर्पित संस्था अधिकारियों ने महाशिवरात्रि पर दुर्गा मंदिर में पूजा अर्चना की

मुजफ्फरनगर (राकेश अरोरा)। प्राप्त समाचार के अनुसार गांधी कॉलोनी गांधी वाटिका के सामने मेंन रोड मैजिक डांस अकैडमी संस्थापक डांस कोरियोग्राफर मोहन अरोरा प्रशिक्षित श्यामक डाबर इंटरनेशनल डांस केंद्र मुंबई नेशनल सिंगिंग डांस स्पोर्ट्स चौंपियनशिप के उत्तर प्रदेश प्रभारी मोहन अरोरा,सचिव श्री राधा कृष्ण वेलफेयर ट्रस्ट

रजिस्टर्ड दिव्यांगों को समर्पित संस्था, कोषाध्यक्ष राकेश अरोरा, अध्यक्ष अंजू अरोरा ने आज दुर्गा मंदिर सरवट फाटक जनपद मुजफ्फरनगर के पास स्थित भगवान भोले शंकर की पूजा अर्चना की विधि विधान पूर्वक महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर देश में अमन चौन खुशहाली के लिए अरदास (प्रार्थना) की।

शिवरात्रि के अवसर पर शिव सेना पदाधिकारियों ने नगर कोतवाली में स्थित मंदिर में रुद्राभिषेक कर सम्भल में स्थित प्राचीन हरिहर महादेव मंदिर को मुक्त कराने की कामना की

मुजफ्फरनगर। शिव सेना पश्चिम उत्तर प्रदेश के द्वारा संभल स्थित हरिहर महादेव मंदिर में जाकर जिला अभिषेक कर मंदिर को मुक्त करने की घोषणा की थी परंतु मुरादाबाद में संभल के अधिकारियों द्वारा अनुरोध करने पर उक्त घोषणा को पश्चिम उत्तर प्रदेश प्रभारी धर्मेंद्र तोमर द्वारा वापस ले लिया

गया था इस संदर्भ में आज शिवसेना पदाधिकारी तहसील मार्केट संपर्क कार्यालय में एकत्र हुए इसके बाद कोतवाली परिसर में स्थित मंदिर में पहुंचे और रुद्राभिषेक करते हुए भोले बाबा से संभल स्थित हरिहर महादेव मंदिर को मुक्त करने की प्रार्थना करी इस अवसर पर मुख्य रूप से शिव सेना नेता मनोज सैनी प्रदेश महासचिव डॉक्टर योगेंद्र शर्मा मंडल अध्यक्ष लोकेशन मंडल महासचिव राजेश कश्यप मंडल उपाध्यक्ष संजय गोयल जिला महासचिव चेतन देवी विश्वकर्मा जिला वीडियो प्रभारी बसंत कश्यप नगर अध्यक्ष आशीष शर्मा मोनू खटीक रविंद्र सैनी गोपी वर्मा आदि उपस्थित करें।

मथुरा की आधा दर्जन ग्राम पंचायत बन सकती है नगर पंचायत

–अडींग, ओल, नौहझील, पैगांव, सोनई तथा मांट बन सकते हैं नगर पंचायत

मथुरा। आधा दर्जन बडी ग्राम पंचायतों को नगर पंचायत बनाये जाने की मांग की जा रही है। सांसद हेमा मालिनी ने जनपद की छह ग्राम पंचायतों को नगर पंचायत का दर्जा प्रदान किए जाने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने इसमें गोवर्धन तहसील की अड़ींग व ओल, मांट से नौहझील, छाता से पैगांव, बलदेव की सोनई तथा मांट को नगर पंचायत बनाने का आग्रह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से किया है। मुख्यमंत्री को उन्होंने अवगत कराया कि संसदीय क्षेत्र मथुरा भगवान कृष्ण की लीला व क्रीडा भूमि है। इसीलिए समूचे विश्व के आकर्षण का केन्द्र है। यहां करोड़ों श्रद्धालु आते हैं। इससे अनेक स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलता है। सरकार इस दिशा में स्वयं प्रगतिशील है। बढ़ते तीर्थाटन के मद्देनजर बृहद जनसंख्या वाली एवं धार्मिक स्थलों के नजदीकी ग्राम पंचायतों को नगर पंचायत बनाने से सरकार की तीर्थ विकास की सोच को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि कोई भी श्रद्धालु आता है तो वह तीर्थ स्थलों के निकट के स्थलों से भी रूबरू होता है। इसलिए विकास उन स्थानों पर भी होना चाहिए। उन्हें भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रतिनिधि दिलीप कुमार यादव ने अवगत कराया कि गोवर्धन क्षेत्र की अड़ींग और ओल को नगर पंचायत बनाने की मांग तीन दशक से की जा रही है। पूर्व में तत्कालीन विधायकों ने विधानसभा में भी सवाल उठाए । बड़ी ग्राम पंचायतों के बेहतर संचालन के लिए संसाधन भी चाहिए जोकि ग्राम पंचायतों के पास नहीं हैं। कई पंचायत एक से डेढ़ किलोमीटर में फैली हैं और साफ सफाई के लिए तीन चार लोग भी नहीं होते। आदमी हों तो संसाधन नहीं होते। उन्होंने इस प्रस्ताव के लिए सांसद का आभार जताया कि उन्होंने ग्रामीण विकास के मुद्दे को गंभीरता से लिया है व सतत रूप से प्रयास करने का आश्वासन दिया है।

कुट्टू के आटे ने कई बार कराई है किरकिरी, अब कड़ी नजर

मथुरा। कुट्टू के आटे ने कई बार जिला प्रशासन की किरकिरी कराई है। इस बार खुले कुट्टू के आटे की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। आगामी शिवरात्रि एवं होली पर्व के दृष्टिगत रखते हुए लगातार खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों के द्वारा कार्रवाई किए जाने से जनपद के खाद्य एवं पेय पदार्थ विक्रेताओं में हड़कंप मचा हुआ है। त्योहारों पर आम जनता को स्वच्छ व गुणवत्तायुक्त खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने हेतु सहायक आयुक्त (खाद्य)द्वितीय धीरेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा पुलिस बल के साथ बरसाना क्षेत्र में स्थित दूध की डेयरियों पर छापामार कार्रवाई की गई। हाथिया गॉव (बरसाना) में संचालित कैलाश डेयरी पर छापामार कार्यवाही कर पनीर व घी का एक–एक नमूना, रूपनगर स्थित भोला डेयरी से पनीर का एक नमूना, बरसाना स्थित उमेश डेयरी से स्किम्ड मिल्क का एक नमूना संग्रहित किया गया। सचल दल में मोहर सिंह कुशवाह, भरत सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी मौजूद रहे। आज खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरूण कुमार व दलवीर सिंह द्वारा शहर के होलीगेट, कोतवाली रोड, जवाहरगंज, कलेक्टर गंज बाजार में सघन निरीक्षण कर कुट्टू का आटा, सिंघाड़े का आटा के एक–एक नमूने संग्रहित किये गये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी दलवीर सिंह द्वारा राया से मिश्रित दूध का एक नमूना तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार द्वारा कोसीकलां मथुरा से कुट्टू का आटा व सिंघाड़ा का आटा का एक–एक नमूना संग्रहित किया गया। उपरोक्त सभी खाद्य नमूनों को जॉच हेतु राजकीय प्रयोगशाला प्रेषित किया जा रहा है।

महाशिवरात्रि पर शिव मंदिरों में हुआ जलाभिषेक

मोरना। महाशिवरात्रि के अवसर पर मोरना भोपा ककरौली क्षेत्र के शिवालयों में भगवान शिव का जलाभिषेक किया गया ।सुबह सवेरे से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु शिव मंदिर पहुँचे ।पूजा अर्चना कर दुग्धाभिषेक व जलाभिषेक किया। इस दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस बल तैनात रहा।

मोरना भोपा ककरौली मे महाशिवरात्रि के पर्व पर बुधवार की भौर से ही महिला व पुरुष श्रद्धालू भारी संख्या शिव मंदिरों मे पहुंचे ओर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। मोरना–भोपा मार्ग पर गांव ककराला में स्थित प्राचीन जुड़ेश्वर महादेव मंदिर, गांव फिरोजपुर के प्राचीन नीलकंठ महादेव मंदिर, शिवधाम, अर्धनारीश्वर मंदिर, प्राचीन शिव मंदिर भोपा, लक्ष्मी नारायण मंदिर, मोरना, बेहड़ा सादात, ककरौली, भोकरहेड़ी आदि में भी श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया गया।

ककराला स्थित जुडेश्वर महादेव मंदिर मे श्रद्धालुओं की लम्बी कतार शिवलिंग पर जलाभिषेक करने के लिए लगी रही ।गांव वजीराबाद मे स्थित रणखंडी महादेव मंदिर, फिरोजपुर स्थित नील कंठ महादेव मंदिर मे भारी संख्या मे श्रद्धालू जलाभिषेक करने पहुंचे वहीं ककराला स्थित जुड़ेश्वर महादेव मंदिर मे मोरना, ककराला, फिरोजपुर, भिड़ाहेडी, मिल कॉलोनी आदि से बड़ी संख्या मे आई महिलाओं व पुरुषों ने भगवान शिव की प्राचीन पिंडी पर जल व दूध से अभिषेक किया व बेल पत्र, फल, फूल, दीप धूप, मिष्ठान आदि से पूजा अर्चना की। हरिद्वार व शुकतीर्थ से गंगाजल लेकर आए अनेक भक्तों ने क्षेत्र मे अनेक स्थानों पर स्थित शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस बल तैनात रहा। तीर्थनगरी शुकतीर्थ में अनेक श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के बाद शिव मंदिरों पर जल चढ़ाया। क्षेत्र के मंदिरों में भारी भीड़ के चलते पुलिस बल भी तैनात रहा।

शुकतीर्थ में साधु संतो व भाजपाईयों ने किया शाही अमृत स्नान

मोरना। प्रयागराज में महाकुम्भ त्रिवेणी संगम में शाही अमृत स्नान के अवसर पर शुकतीर्थ में शुकदेव आश्रम के अधीष्ठा स्वामी ओमानन्द महाराज के नेतृत्व में साधु संतों ने मां गंगा में अमृत स्नान किया। साथ ही जिला पंचायत अध्यक्ष के संग भाजपाईयों ने पवित्र स्नान में भाग लेकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। वहीं ओम शान्ति सेंटर के सदस्यों सहित गुरुकुल के छात्रों द्वारा साधु संतों पर पुष्पवर्षा की गयी। साधु संतों ने अमृत स्नान के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

शुकतीर्थ गंगा घाट पर पहुंचे स्वामी ओमानन्द महाराज मंत्रोच्चारण के बीच अमृत स्नान का शुभारम्भ किया। महामंडलेश्वर स्वामी गोपालदास महाराज ने कहा कि शुकतीर्थ में स्नान का महत्व प्रयागराज से भी अधिक है। जिस अमृत की कुछ बूँद मात्र प्रयागराज मे गिरी थी। उसी अमृत का कलश शुक्रतीर्थ को प्राप्त हुआ था। तिलकधारी आश्रम के स्वामी विष्णुदत्त महाराज ने कहा की देश मे चार स्थानों पर अमृत कुम्भ को रखा गया था। प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन, नासिक तीर्थों पर कुंभ का आयोजन होता है शुकतीर्थ मे भी शाही अमृत स्नान हुआ है। कुम्भ मे संतो का समागम होता है भक्तो का मिलन होता है। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल ने कहा की जो भक्त प्रयागराज नहीं जा सके वह उसी श्रद्धा के साथ

शुकतीर्थ जैसे महातीर्थ मे स्नान करे इसकी व्यवस्था की गयी ओर 200 क्यूसेक अतिरिक्त गंगा जल को छुड़वाया गया है ।साधु संतो के संग शाही अमृत स्नान करना गौरममय और अविस्मरणीय क्षण है। स्वामी यशवीर महाराज ने कहा कि सनातन ही एक मात्र धर्म है बाकी सब सम्प्रदाय हैं। सभी मत सम्प्रदाय सनातन से ही निकले हैं। सनातन रक्षा के लिए युवा पीढ़ी आगे आये। जिस प्रकार फसल मे फफूंद को दूर करने के लिए कीट नाशक का प्रयोग किया जाता है वेसे ही सनातन को मजबूत करने के लिए दृढ होना होगा। समाजसेवी मा. विजय सिंह ने कहा की उन्होंने अमृत स्नान कर देश मे बुराईयों को दूर करने का संकल्प करने का संकल्प लिया है। आचार्य प्रेम शंकर मिश्रा ने कहा की देवता अमृत कलश लेकर शुकतीर्थ मे शुकदेव मुनि के पास आये थे। और श्रीमदभागवत कथा के बदले अमृत कलश देने को कहा किन्तु शुकदेव मुनि ने यह सौदा न किया तब देवताओं ने वह अमृत शुकतीर्थ मे ही रख दिया। शुकतीर्थ मे एक सप्ताह के लिए कुंभ का आयोजन किया जाना चाहिए। शाही अमृत स्नान के उपरांत साधु संतो पर पुष्प वर्षा की गयी व स्वामी ओमानन्द महाराज दिव्य प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर स्वामी भक्ति भूषण महाराज, चंद्रमा बृहमचारी महाराज, मंडल अध्यक्ष अरुणपाल, संजय कोरी,राम कुमार शर्मा, प्रदीप निर्वाल, बृजवीर सिंह, विनोद शर्मा, डॉ. संजू शर्मा, रविन्द्र वाल्मीकि, डॉ. महकार सिंह, योगेश गुर्जर,सतनाम नायक, वीरपाल सहरावत, देवेन्द्र आर्य,बी के परी दीदी, आरती, बी के श्रवण कुमार, कंवरपाल सिंह, नीरज रॉयल,विपुल सहरावत,संदीप भगत,आचार्य इन्द्रपाल,महिपाल राठी, रविन्द्र सिंह,क्षेत्राधिकारी देववृत वाजपेयी, प्रभारी निरीक्षक अपराध हरेन्द्र सिंह, चौकी प्रभारी रणवीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

भयहरण नाथ धाम में महाशिवरात्रि के मेले में हुई अपार भीड़

प्रबन्ध समिति और पुलिस प्रशासन ने की सुव्यवस्था, जनता जनार्दन ने की सराहना

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में २५ वें महाकाल महोत्सव के पुण्य अवसर पर श्रद्धालु भक्तो की अपार भीड़ हुई। सुबह 4 बजे से प्रबन्ध समिति सहित मंदिर व मेला उपसमितियो के पदाधिकारी व पुजारी गण पुलिस व प्रशासन के साथ उत्तम व्यवस्था की जिसकी सराहना जनता जनार्दन ने की। लोकपाल व धाम के महासचिव समाज शेखर ने सभी व्यवस्था का जायजा लिया और कार्यकर्ताओ के कार्यो का उत्साह वर्धन किया। धाम के अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल व कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह के मार्गदर्शन मे सुबह से ही सभी कार्यकर्ता अपनी चुस्त दुरुस्त व्यवस्था में लगे रहे। सुबह 4 बजे से मुख्य पुजारी भोला नाथ तिवारी सहित सभी मंदिरों के पुजारी पूजन कर जनता जनार्दन के जलाभिषेक व दर्शन हेतु मंदिरों के कपाट खोल दिये। वहीं भयहरण नाथ धाम की प्रबन्ध समिति व नगर पंचायत के नियंत्रण में कंट्रोल रूम व भूला भटका शिविर का संचालन कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र और उपाध्यक्ष राजीव नयन मिश्र व मेला समिति के संयोजक कमला कांत मिश्र व सचिव अनिल मिश्र ने प्रमुख भूमिका निभाई। धाम के प्रशासनिक कार्यालय में उप पुलिस अधीक्षक सदर करिश्मा गुप्ता, तहसीलदार सदर सुप्रिया चतुर्वेदी व थानाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह व महासचिव समाज शेखर ने मुख्य कंट्रोल रूम से सभी व्यवस्था को नियंत्रित करते हुए सुव्यवस्थित किया। नगर पंचायत अध्यक्ष मुन्ना यादव सभासदो के साथ मेला क्षेत्र में अपनी सतर्क भूमिका निभाई। सफाई कर्मियों ने भी सारानीय योगदान दिया। मेले व महोत्सव में प्रमुख भूमिका निभाने वालो मे प्रमुख रूप से धर्मेंद्र त्रिपाठी, प्रदीप सिंह, संरक्षक देवी प्रसाद मिश्र , अशोक मिश्र, धर्मेंद्र पटेल, मनीराम, शत्रुघ्न सिंह, सुरेंद्र सिंह, भानू सिंह, अजय अग्रहरि, राजू मैनेजर, लालता प्रसाद मिश्र, मतेंद्र कीर्ति आदि ने प्रमुख भूमिका निभाई।

पुलिस अधीक्षक यातायात अतुल चौबे स्कूल, कॉलेज में स्वयं पहुंच कर कर रहे यातायात के नियमों के प्रति जागरूक

टीएसआई इंद्रजीत सिंह अपने कर्तव्य को पालन करते हुए मानवता का भी परिचय दे रहे

मुजफ्फरनगर। पुलिस अधीक्षक यातायात अतुल चौबे व उनके अधीनस्थ टीएसआई इंद्रजीत सिंह व उनकी टीम यातायात जागरूकता को लेकर स्कूल कॉलेज व सड़को पर उतर कर लोगो को यातायात के नियमों के प्रति जागरूक कर रहें है साथ ही उनके अधीनस्थ टीएसआई इंद्रजीत सिंह अपने कर्तव्य को पालन करते हुए मानवता का भी परिचय दे रहे हैं।एसपी यातायात अतुल चौबे के नेतृत्व में टीएसआई इंद्रजीत सिंह यातायात के नियमों को लेकर पूरा जोर स्कूल के बच्चों व लोगों को जागरूक करने पर है तथा वही मानवता की भी मिसाल बन रहे हैं ओर कावड़ भाईयों को फल वितरित करके उनको मुजफ्फरनगर के प्रेम को अन्य राज्यों तक पहुंचा रहें हैं लेकिन वही ट्रैफिक पुलिसकर्मी सड़कों पर खड़े होकर लोगों को नियमों के प्रति जागरूक कर रहे हैं। चालकों को संकेतों व सड़क पर सुरक्षित चलने के प्रति प्रेरित किया जा रहा है।ट्रेफिक पुलिस की ओर से समय समय पर यातायात के नियमों के प्रति जागरूक करते हुए पेंफ्लेट भी बाटते रहे हैं। इसके अलावा स्कूलों व अन्य जगहों पर भी कार्यक्रम आयोजित करके बच्चो व लोगों को नियम सिखाए जा रहे हैं। इसी जागरूकता के क्रम में एस पी ट्रेफिक अतुल चौबे ने कई स्कूलों में जाकर बच्चों को जागरूक किया।एस पी ट्रेफिक चौबे ने कहा कि बच्चों को जागरूक होने की जरूरत है। उन्होंने बच्चों से अपील की है कि स्कूल जाते समय ठीक समय पर घर से निकलें, ताकि बस पकड़ने के लिए दौड़ना न पड़े। स्कूल से निर्धारित बस स्टाप पर बस में चढ़ें या उतरें। चौराहे पर या अनाधिकृत बस स्टाप से बस पर न चढ़ें न ही उतरें। टेंपो व ई–रिक्शा से स्कूल जाते समय सावधानी पूर्वक बैठें। सड़क पर दौड़ भी नहीं लगाएं, हमेशा सुरक्षित स्थान से ही सड़क को पार करें। इसके अलावा यातायात पुलिस की ओर से लोगों को नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

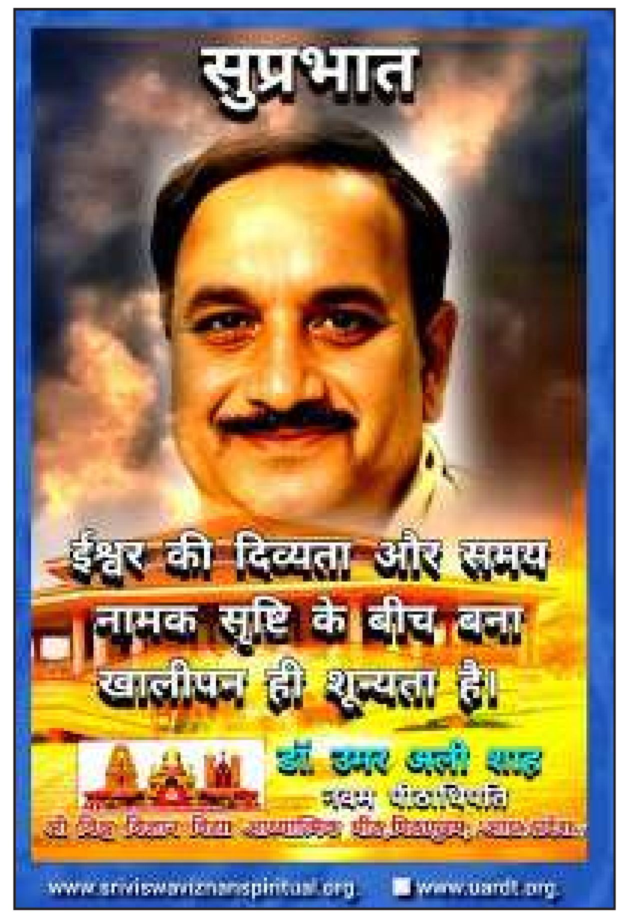

पहली बार.....

महासंयोग कुंभ में, देखा पहली बार,
बैरागी मन लोभ से, पहुंचा ना उस पार।

अनगिन देखी गाडियां ,अनगिन देखे द्वार ,
गूगल शूगल देख कर, पहुंचे यमुना पार।

कभी झूठ लगती मुझे, कभी ये सच्ची बात ,
ज्ञान लीजिए साधु से , पूछो ना तुम जात।

किस की गठरी सर धरे , मीलों चलते लोग ,
संगम पर स्नान का, ढूंढ रहे संजोग ।

इक दूजे की पीठ पर , अपनी चाल बढ़ाय ,
रेला ऐसा देख कर , मन मोरा घबराय।

जाने कैसे लोग यह, दूर देश से आय,
हम अपने घर में रहे, सब अनुमान लगाय।

आधी दुनिया स्नान कर , बना रही अभिलेख।
जीत सनातन धर्म की, दुनिया तू भी देख।

जहां जहां तक नजर गई, भक्तन की इक भीड़।
भूख प्यास सब लांघ के ,चाहे हैं बस नीड़ ।

हर हर गंगे बोल तू , डुबकी एक लगाय,
केवल तन को ही नहीं, मन को भी नहलाय।

हम प्रयागवासी रहे, घर में रोज मनाय,
दो दिन ही अब शेष हैं, परदेसी कब जाय।

संगीता 'सुमन'

प्रशासनिक अधिकारियों से सभासद पारुल मित्तल की गुहार

मुजफ्फरनगर। नगर पालिका द्वारा बन्दर पकड़ने की कार्यवाही को लेकर नई मंडी वार्ड 36 की कर्मशील सभासद पारुल मित्तल ने जताई नाराजगी और कहा इस मामले में अब तक समस्या के हल में भैंस के आगे बीन बजाना जैसा हुआ है साबित, प्रतिदिन बंदर बच्चों व नागरिकों को पहुंचा रहे हानि, सभासद पारुल मित्तल ने प्रशासनिक अधिकारियों से जल्द ही धरातल पर योजना बनाकर कार्यवाही अमल में लाने की लगाई गुहार'।

चिंताहरण महादेव पर उमड़ा आस्था का सैलाब, जलाभिषेक कर की पूजा अर्चना

मथुरा। महाशिव रात्रि के पावन पर्व के अवसर पर बुधवार को चिंताहरण महादेव पर हजारों की संख्या में भक्तों ने जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। बुधवार को अर्ध रात्रि से गोकुल महावन के समीप यमुना नदी के किनारे स्थित चिंताहरण महादेव के दर्शन और जलाभिषेक करने लिए भक्तों की लंबी कतारें लग गई। बम बम भोले के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान मान हो गया। उपजिलाधिकारी महावन आदेश कुमार ने बताया कि भक्तों ने चिंताहरण महादेव पर रात्रि 2 बजे से जल चढ़ाना शुरू कर दिया

वहीं कावड़ियों ने दिन में 12 बजे से महादेव का जलाभिषेक किया। करीब 500 कावड़ियों ने चिंताहरण महादेव पर जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की है। शिव भक्तों के लिए चिंताहरण मंदिर के स्थानीय लोगों के द्वारा प्रसादी वितरित की गई। हजारों की संख्या उमड़े शिव भक्तों की देख रेख करने करने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ जुटा रहा। इस दौरान उपजिलाधिकारी आदेश कुमार, तहसीलदार सुशील कुमार गुप्ता, नायब तहसीलदार सविका शर्मा,क्षेत्राधिकारी धर्मेंद्र सिंह चौहान, सी एच सी प्रभारी विजेंद्र सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ,उपनिरीक्षक संजीव कुमार, खंड विकास अधिकारी,बलदेव नेहा रावत, ग्राम पंचायत अधिकारी प्रवीण यादव सहित राजस्व एवं पुलिस बल आदि रहे।

सम्पादकीय.......

कला की कसक

कला के संरक्षण के लिये नीति–नियंताओं से संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की जाती है। बहुत संभव है कि यह संरक्षण दैनिक जीवन में किसी तरह की विसंगति पैदा करे, लेकिन भावी पीढ़ियों को अतीत के कला सौंदर्य से रूबरू कराना हर समाज का दायित्व होता है। कला संरक्षण की प्रासंगिकता का प्रश्न पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के उस निर्देश के बाद फिर सामने उत्पन्न हुआ है, जिसमें सड़क को चौड़ा करने तथा पार्किंग के विस्तार के लिये रॉक गार्डन की दीवार के एक हिस्से को ध्वस्त करने का निर्देश दिया गया है। यह प्रकरण विरासत के संरक्षण और बुनियादी ढांचे के विस्तार के बीच संतुलन को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न करता है। निस्संदेह, केंद्र शासित प्रदेश के अधिकारियों द्वारा क्रियान्वित निर्णय न केवल रॉक गार्डन के निर्माता नेक चंद की कलात्मक विरासत के एक हिस्से को मिटा देता है, बल्कि एक परेशान करने वाली मिसाल भी स्थापित करता है। जो बताता है कि कि नया भारत विकास के नाम पर अपनी सांस्कृतिक व वन विरासत के साथ कैसा व्यवहार करता है। निस्संदेह, इस तथ्य को लेकर दो राय नहीं हो सकती है कि रॉक गार्डन ने केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ को एक विशिष्ट पहचान दी है। नेकचंद की इस विरासत ने दुनिया को बेकार और अनुपयोगी चीजों को नया स्वरूप देने की एक नई दृष्टि प्रदान की है। दशकों से रॉक गार्डन रचनात्मक मानवीय कला दृष्टि के प्रमाण के रूप में खड़ा है कि कैसे सकारात्मक सोच के साथ कचरे को आश्चर्यजनक कृति में तब्दील किया जा सकता है। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि नेकचंद की इस अद्भुत कला से प्रेरित होकर देश–दुनिया के विभिन्न भागों में रॉक गार्डन की प्रतिकृति बनाने की भी प्रेरणा भी मिली। नेकचंद के जाने के बाद भी रॉक गार्डन कलात्मकता के एक जीवंत प्रमाण के रूप में विद्यमान है। ऐसे में समाज व प्रशासन का नैतिक दायित्व बनता है कि इस सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण किया जाए। यही वजह है कि सिटी ब्यूटीफुल के तमाम जिम्मेदार, सजग व संभ्रांत लोग अपनी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिये आगे आए हैं। यह विडंबना कही जाएगी हम अपनी समृद्ध और कलात्मक विरासत के एक हिस्से को सड़क निर्माण और प्रदूषण बढ़ाने वाले वाहनों के उपयोग के लिये बनायी जा रही पार्किंग के लिये खो देंगे। यह भी तर्क दिया जा रहा है कि ध्वस्त की गई दीवार रॉक गार्डन में नेक चंद द्वारा बनायी गई मूल संरचना का हिस्सा नहीं थी। दीवार को ध्वस्त करने पर बचाव के लिये दिए जाने वाले तर्क तर्कशीलता की कसौटी पर खरे नहीं उतरते। यदि यह तर्क स्वीकार भी कर लिया जाता है तो भविष्य में इस दलील के आधार पर इसके अन्य हिस्सों के अस्तित्व पर संकट मंडरा सकता है। निस्संदेह, किसी संरचना या सांस्कृतिक प्रतीक के महत्व को उसके ढांचे के रूप में नहीं बल्कि उसके साथ लोगों के सांस्कृतिक और भावनात्मक जुड़ाव के रूप में देखा जाना चाहिए। वास्तव में इस दीवार को तोड़ने के लिये दी जा रही दलीलों की तार्किकता कई स्तरों पर त्रुटिपूर्ण ही है। सबसे पहले, उच्च न्यायालय परिसर के आसपास यातायात की जो भीड़ उत्पन्न होती है, वह खराब प्रबंधन की देन है। इसमें रॉक गार्डन की संरचना की उपस्थिति की कोई भूमिका नहीं है। सही मायनों में बेहतर सार्वजनिक परिवहन और शटल सेवाओं जैसे टिकाऊ विकल्पों की अनदेखी की गई है। इसके साथ उच्च न्यायालय द्वारा केस सूचियों के व्यवस्थित पुनर्गठन से भी यातायात संबंधी चिंताओं को दूर करते हुए अदालत परिसर में दैनिक उपस्थिति को कम किया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर प्रशासन द्वारा दीवार को दूसरी जगह बनवाने और फिर पेड़ लगाने का वायदा पारिस्थितिकीय तंत्र के अपरिवर्तनीय नुकसान की भरपाई नहीं करता है। चंडीगढ़ की प्रसिद्ध पेड़ों की विरासत पहले ही अपनी आभा खोती जा रही है। ऐसे में सदियों पुराने पेड़ों को हटाना इसके पारिस्थितिकीय संतुलन के मद्देनजर एक आत्मघाती कदम ही हो सकता है। निस्संदेह, अदालतों को न्याय का संरक्षक माना जाता है। यदि वे सार्वजनिक विरासत और पर्यावरण की रक्षा नहीं करेंगी तो कौन करेगा? प्रगति के नाम पर अतार्किक नियोजन घातक साबित हो सकता है।

मोटापे के खिलाफ मोदी का अभियान

डॉ. दीपक पाचपोर

मोटापे के कारण हृदय रोग, तनाव, मधुमेह जैसी होने वाली कई बीमारियों का उल्लेख करते हुए मोदी ने लोगों को आगाह किया और इनसे बचने की सलाह दी।

एक स्वस्थ देश के निर्माण की राह में नागरिकों का मोटापा किस कदर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चिंतित कर रहा है, उसकी बानगी आकाशवाणी पर हर माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले उनके कार्यक्रम श्मन की बातश की ताजा कड़ी में देखने को मिली। मोदी ने बताया कि विश्व भर के 250 करोड़ लोग मोटापे से जूझ रहे हैं और भारत में हर आठवां नागरिक मोटे लोगों की श्रेणी में आता है। यह समस्या बच्चों में भी बढ़ रही है और हाल के वर्षों में मोटापे की बीमारी चार गुना बढ़ गयी है। मोटापे के कारण हृदय रोग, तनाव, मधुमेह जैसी होने वाली कई बीमारियों का उल्लेख करते हुए मोदी ने लोगों को आगाह किया और इनसे बचने की सलाह दी। इसके लिये पीएम ने तेल की खपत 10 प्रतिशत घटाने का आग्रह देशवासियों से तो किया ही, दस नामी–गिरामी हस्तियों को इस अभियान से जोड़ा जो मोटापे को समाप्त करने की श्रृंखला के प्रारम्भिक व्यक्ति होंगे। जिस प्रकार से व्यायाम का नाम लेने मात्र से, साल में एक बार योग दिवस मना लेने अथवा जिम की सदस्यता लेने मात्र से कोई स्वस्थ और छरहरा नहीं हो जाता, वैसे ही मोटापे की बीमारी का जिक्र करने मात्र से किसी का वजन घट जाने वाला नहीं है, लेकिन मोदी की यह फितरत हैय और उनकी गलतफहमी भी कि उनके उल्लेख करने मात्र से किसी समस्या का निदान हो जायेगा तथा लोग उनके रेडियो कार्यक्रम के पूरा होते ही वजन घटाने में लग जायेंगे। अगर ऐसा होता तो आज कम से कम पूरा भारत रोजाना नियमित तौर पर योगाभ्यास करता हुआ दिखता जिसकी शुरुआत स्वयं मोदीजी के प्रयासों से हुई थी। उन्हीं के आग्रह से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को निर्धारित किया था। हर वर्ष योग दिवस के अवसर पर जिस प्रकार से कार्यक्रम होते हैं, उससे साफ दिखता है कि एक दशक की इस कथित योग यात्रा के बाद भी ज्यादातर भारतीय योगासनों से अपरिचित हैं और उन्हें करने के नितांत नाकाबिल। विशेषकर, इन कार्यक्रमों में शामिल होने वाले नेता, मंत्री, अधिकारी, उद्योगपति, व्यवसायी आदि जो शोशेबाजी के चलते योग के कार्यक्रमों में शामिल तो हो जाते हैं लेकिन उनके थोड़ा सा हाथ–पांव हिलाते ही पता चल जाता है कि यह उनकी दिनचर्या का हिस्सा नहीं है। इसमें कोई शक नहीं कि मोटापा एक वैश्विक समस्या है और भारतीयों में भी इससे प्रभावितों की संख्या में बड़ा इजाफा हुआ है। ऐसा भी नहीं कि मोदी ने कोई गलत विषय उठाया हो। यहां सिर्फ ध्यान में लाया जाना जरूरी है कि इवेंट बनाने से किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो जाता। यदि मोटापे को खत्म करने के प्रति प्रधानमंत्री वाकई बहुत गम्भीर हैं तो उन्हें इसे लेकर विशेषज्ञों तथा चिकित्सा वैज्ञानिकों से पहले बात कर एक ठोस योजना लानी चाहिये। यह कम से कम रेडियो कार्यक्रम का हिस्सा तो नहीं हो सकता क्योंकि इस प्रसारण को लोग अब राजनीतिक नजरिये से देखने लगे हैं। जिस प्रकार से इसे सुनने के लिये उनकी भारतीय जनता पार्टी व सरकारें श्रवण कार्यक्रम आयोजित करती हैं तथा बाद में उसका प्रकाशन व प्रसारण एक सुनियोजित तरीके से मोदी की छवि निखारने के लिये होता है, उससे लोगों के मन में वितृष्णा सी हो गयी है। तमाम विषयों पर किसी विशेषज्ञ सी राय देने वाले मोदी के ये प्रवचननुमा उद्बोधन लोगों पर कोई असर नहीं डालते। यदि इन रेडियो कार्यक्रमों में इतना ही दम होता तो आज भारत की सारी समस्याओं को रेडियो प्रसारणों के जरिये उखाड़ कर फेंका जा चुका होता। बहरहाल, मोटापे का सम्बन्ध केवल तेल का प्रयोग नहीं वरन जीवन शैली से और आनुवांशिकी दोष से भी है। बेशक, तेल भी एक कारण है लेकिन समस्या केवल 10 प्रतिशत मात्रा घटाने से समाप्त नहीं होगी। पहली बात तो है लोगों के जीवन स्तर को सुधारना जिसके अंतर्गत खान–पान की गुणवत्ता सुधारनी प्राथमिक जरूरत है। विशेषज्ञों के अनुसार एक ही तरह का तेल लम्बे समय तक इस्तेमाल में लाना गलत है। मात्रा घटाने के साथ ही अलग–अलग तरह के तेलों का इस्तेमाल होना आदर्श माना जाता है लेकिन जिस देश में 85 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देना राष्ट्रीय गर्व का विषय हो तथा उसका उल्लेख एक महान उपलब्धि के रूप में होता हो, वहां इन लोगों के पास खान–पान सम्बन्धी कितने विकल्प हो सकते हैं, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। खुद मोदी के आने के बाद सभी तरह के खाद्य पदार्थों की कीमत बेतरह बढ़ी है जिनमें तेल भी शामिल है। आज एक आम भारतीय को सबसे सस्ता तेल खरीदना पड़ता है, यह जानते हुए भी कि उसमें मिलावट है। घटिया और महंगा सामान बनाने का लाइसेंस आज उद्योगपतियों व व्यवसायियों को भाजपा के पक्ष में इलेक्टोरल बॉन्ड्स खरीदकर या चंदा देकर मिल ही चुका है। अच्छे खान–पान का सम्बन्ध लोगों की आय से भी है। जब तक लोगों के पास आय के अच्छे व स्थायी स्रोत न होंगे, भोजन सम्बन्धी ये प्रयोग लोगों तक न तो पहुंचेंगे, न ही वे आजमाये जा सकेंगे। अलबत्ता कुछ खाये–पिये अघाये लोग इस तरह के प्रयोग पहले से करते आ रहे हैं जिसके अंतर्गत वे रिफाइंड शक्कर व सफेद चावल की जगह क्रमशः ब्राउन शूगर व ब्राउन राइस खाते हैं, सफेद की बजाये सेंधा नमक खाते हैं और बेहद महंगा जैतून तेल खाते हैं। देश के नागरिकों की वास्तविक स्थिति से नितांत अनभिज्ञ मोदीजी समझते हैं कि मन की बात से देश से मोटापे की समस्या छूमंतर हो जायेगी। भला ऐसा कहीं होता है क्या?

उर्दू से सच्ची नफरत और हिंदी से प्रेम का स्वांग

राजेंद्र शर्मा

योगी आदित्यनाथ ने ऐन विधानसभा में उर्दू के खिलाफ अपनी नफरत की उल्टी से, मुस्लिमविरोधी नफरत के अपने इजहार को, एक सीढ़ी और ऊंचा कर दिया। मुख्यमंत्री योगी ने शुरूआत तो की उत्तर प्रदेश विधानसभा में मुख्य विपक्षी पार्टी, सपा पर यह कहकर हमला करने से कि, समाजवादियों का चरित्र दोहरा हो चुका है, ये अपने बच्चों को पढ़ाएंगे इंग्लिश स्कूल में और दूसरों के बच्चों के लिए कहेंगे उर्दू पढ़ाओश। उर्दू का नाम आने भर की देर थी, वह फट पड़े कि ये तो श्उसको मौलवी बनाना चाहते हैं, कठमुल्लापन की ओर देश को ले जाना चाहते हैंश आदि, आदि। प्रसंग था, उत्तर प्रदेश में विधायिका की कार्रवाई में कई क्षेत्रीय भाषाओं के शामिल किए जाने के योगी सरकार के फैसले का। जैसा कि इस सरकार के रुख को देखते हुए आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता था, विधायिका की कार्रवाई में शामिल किए जाने का यह फैसला, उर्दू को छेककर चलता है। स्वाभाविक रूप से जैसाकि अपेक्षित था, विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता, समाजवादी पार्टी के माता प्रसाद पांडेय ने उर्दू के साथ इस सौतेले सुलूक पर विरोध जताया। उनका सुझाव था कि सदन में आधिकारिक रूप से मान्यताप्राप्त भाषाओं में अंग्रेजी की जगह उर्दू को कर दिया जाए। उर्दू उत्तर प्रदेश की दूसरी राजकीय भाषा भी है। बेशक, सपा नेता के इस तर्क पर तो बहस हो सकती है कि अंग्रेजी की जरूरत नहीं है और उसकी जगह पर उर्दू को रखा जाए, जिस पर मुख्यमंत्री योगी भड़क उठे। लेकिन, योगी का विस्फोट उर्दू को लाने के लिए अंग्रेजी को हटाए जाने के सुझाव पर उतना नहीं था, जितना उर्दू को शामिल किए जाने की मांग पर था। अगर उनकी प्रतिक्रिया के पीछे मुख्यतरू विधायी काम की भाषा के रूप में अंग्रेजी को बनाए रखने की चिंता होती, तो मुख्यमंत्री आसानी से अंग्रेजी को बनाए रखते हुए भी, उर्दू के शामिल किए जाने की मांग को मंजूर कर सकते थे। आखिरकार, विधायी कार्य के लिए मान्यता प्राप्त भाषाओं की कोई पहले तयशुदा संख्या तो है नहीं कि अंग्रेजी को हटाकर ही उर्दू को जगह दी जा सकती हो। बात इससे उल्टी थी। योगी सरकार सोच–समझकर, क्षेत्रीय भाषाओं के इस समावेश के जरिए, उर्दू की उपेक्षा करने का संदेश देना चाहती थी और इसीलिए, मुख्यमंत्री ने सीधे उर्दू भाषा और उसकी सामाजिक–सांस्कृतिक उपयोगिता पर ही हमला बोल दिया। योगी आदित्यनाथ ने जिस तरह उर्दू की पढ़ाई–लिखाई को मौलवी बनाने तक सीमित करने की ही कोशिश नहीं की है बल्कि श्कठमुल्लापन की ओर देश को ले जाना चाहते हैं की दिशा में अपने हमले को आगे भी बढ़ाया है, उसमें नया कुछ भी नहीं है। उत्तर प्रदेश की भाषा की राजनीति में भाजपा और उसके पूर्ववर्ती जनसंघ, हमेशा से उर्दू का इसके बावजूद विरोध करते आए हैं उर्दू, इसी प्रदेश में जन्मी यानी सिर्फ एक भारतीय भाषा ही नहीं है बल्कि उत्तर प्रदेश की भी अपनी भाषा है। आरएसएस–भाजपा की सांप्रदायिक भाषायी राजनीति, ब्रिटिश हुकूमत के जमाने से उर्दू को एक ओर तो मुसलमानों तक सीमित करने की कोशिश करती आयी है और दूसरी ओर, उसे शिक्षा–संस्कृति के विकास के लिए अनुपयोगी करार देकर, खत्म ही करने की कोशिश करती आयी है। यह एक प्रकार से वैसा ही तर्क है, जिस तरह का तर्क बाबरी मस्जिद को ढहाने के लिए ठीक इन्हीं ताकतों द्वारा प्रचारित किया गया थाकृवह तो मस्जिद थी ही नहीं, इसलिए उसे ढहाया जा सकता था। उसी तरह, उर्दू की कोई सामाजिक–सांस्कृतिक उपयोगिता ही नहीं है, इसलिए उसे उपेक्षा के जरिए मारने में कुछ भी अनुचित नहीं है। योगी आदित्यनाथ का उर्दू को मौलवी बनने और कठमुल्लापन बढ़ाने का समानार्थी बना देना, ठीक इसी प्रयास का हिस्सा है। स्वाभाविक रूप से नेता प्रतिपक्ष, माता प्रसाद पांडे ने मुख्यमंत्री के विस्फोट पर आपत्ति की। खबरों के अनुसार उन्होंने कहा कि, श्मुख्यमंत्री ने कहा है कि उर्दू कठमुल्ला पैदा करती है। मैं इस शब्द पर आपत्ति करता हूं और पूछना चाहता हूं कि क्या उर्दू के बड़े शायर, फिराक गोरखपुरी भी कठमुल्ला थे या उर्दू का ज्ञान रखने वाले प्रख्यात उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंद भी कठमुल्ला थे? या विश्वविद्यालय में जो उर्दू विभाग खोला गया है, वहां पढ़ने वाले भी कठमुल्ला हैं क्या? लेकिन, इन तर्कों का मुख्यमंत्री योगी पर कोई असर पड़ा नहीं लगता है। इसकी सीधी सी वजह यह है कि योगी का रुख किसी नासमझी या सचाइयों की नाजानकारी का नतीजा नहीं है। वह तो सोच–समझकर, अपनी नफरत की राजनीति के हिस्से के तौर पर अपनाया गया रुख है। इसीलिए, उन्हें उर्दू के नाम से सिर्फ मौलवी बनना और देश को कठमुल्ला बनाना दिखाई देता है। यह दूसरी बात है कि यह सबसे ज्यादा तो खुद योगी की शिक्षा पर ही लागू होता है, जबकि उनकी शिक्षा कम से कम उर्दू में तो नहीं ही हुई होगी। संघ–भाजपा की सांप्रदायिक भाषायी राजनीति की जड़ में ही, बहिष्करण या एक्सक्लूजन है, जो भाषाओं के स्वाभाविक व्यवहार में निहित समावेशन के खिलाफ जाता है। इसीलिए, वे अंग्रेजी राज द्वारा खड़े किए गए हिंदी और उर्दू के एक झूठे द्वैध या बाइनरी के न सिर्फ योग्य उत्तराधिकारी बने रहे हैं बल्कि उन्होंने उसे और आगे बढ़ाया है, जहां हिंदी के हित के नाम पर, उर्दू का गला घोंटने की राजनीति की जाती है, जिसका सबूत आदित्यनाथ का रुख है। लेकिन, कथित राष्ट्रीय भाषा को छोड़कर अन्य भाषाओं और वास्तव में भाषा–संस्कृतियों का इस तरह श्परायाश् किया जाना, उर्दू के मामले में सांप्रदायिक आग्रहों के चलते सबसे उग्र भले हो, लेकिन उसी तक सीमित नहीं है। वास्तव में, कम या ज्यादा, हिंदी को छोड़कर सभी भारतीय भाषाओं के साथ, इस सांप्रदायिक भाषायी राजनीति का व्यवहार में यही सलूक है। यह कोई संयोग ही नहीं है कि ठीक उसी समय, जब योगी आदित्यनाथ, उर्दू पर उसे कठमुल्लापन की भाषा करार देते हुए हमला बोल रहे थे, तभी मोदी सरकार के शिक्षा मंत्री, धर्मेंद्र प्रधान ने दक्षिण में तमिलनाडु की सरकार के खिलाफ, कथित राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उससे जुड़े कई निर्णयों को थोपने के लिए, बाकायदा युद्घ छेड़ रखा था। इस युद्घ में केंद्र का मुख्य हथियार है, राज्य सरकार को बदनाम करने वाले प्रचार के अलावा, शिक्षा के लिए केंद्रीय फंड रोकने की उसकी धमकी। राज्य पर त्रिभाषा फार्मूला थोपा जाना, इस युद्घ के मुख्य लक्ष्यों में से एक है। हैरानी की बात नहीं है कि तमिलनाडु की सरकार और आम तौर पर दक्षिण भारत का बड़ा हिस्सा, आज की परिस्थितियों में इन भाषायी फार्मूलों को हिंदी थोपने की कोशिशों के तौर पर ही देखता है। वे उचित ही यह सवाल भी उठाते हैं कि कथित त्रिभाषा फार्मूले में देश के विशाल हिंदीभाषी क्षेत्र में व्यवहार में क्या सचमुच कहीं भी हिंदी और अंग्रेजी के अलावा किसी तीसरी भाषा पर अमल हो रहा है। सभी जानते हैं कि किस तरह हिंदी–उर्दू भाषी क्षेत्र के बड़े हिस्से में, तीसरी भाषा के रूप में संस्कृत के चयन के नाम पर, इसे व्यवहार में दो–भाषा फार्मूला बनाकर ही लागू किया जा रहा है। यहां संस्कृत का उपयोग, अन्य भारतीय भाषाओं की हकमारी करने के लिए शिखंडी के तौर पर किया जा रहा है, जबकि वास्तव में अगर किसी भारतीय भाषा को कठमुल्लापन की भाषा कहा जा सकता है, तो वह संस्कृत ही है। इसके पीछे सांप्रदायिक राजनीति की वह बुनियादी कठमुल्लापन भरी समझ है, जो एकरूपता को राष्ट्रीय एकता के साधन के रूप में पेश करती है। लेकिन, सच्चाई इससे ठीक उल्टी है। हमारे जैसे धर्म, भाषा, संस्कृति की समृद्घ बहुलता वाले समाज में, एकरूपता थोपने की इस तरह की कोशिशें, राष्ट्रीय एकीकरण के बजाए बिखराव का ही साधन बनती हैं। मोदी राज में हम ठीक यही होता देख रहे हैं। हालांकि, रस्म–अदायगी के तौर पर वर्तमान निजाम को भी बार–बार बहुलता में विश्वास होने की कसमें खानी पड़ती हैं, लेकिन उसने एकरूपता थोपने की और केंद्रीयकरण की जिन प्रक्रियाओं को छेड़ दिया है, राष्ट्रीय एकीकरण के सूत्रों को छिन्न–भिन्न करने में ही लगी हुई हैं। इसी के हिस्से के तौर पर भाषा की सांप्रदायिक राजनीति, एक वर्चस्वशाली भाषा के रूप में हिंदी को थोपने के जरिए, अन्य सभी भारतीय भाषाओं के साथ उसके रिश्तों में नफरत रोप रही है, जबकि भाषाओं के स्वाभाविक रिश्ते, परस्पर लेन–देन से, सभी को समृद्घ बनाने वाले रिश्ते होते हैं, न कि परस्पर द्वेष के रिश्ते। कर्नाटक और महाराष्ट्र की सीमा पर पड़ते बेलगाम के इलाके में, जहां लोग दोनों भाषाओं के मेल से मिली एक मिश्रित भाषा को बरतते आए हैं, कन्नड़–बनाम मराठी के टकराव की भाषायी राजनीति जो कर रही है, भाषाओं के रिश्तों में नफरतें रोपे जाने का ही नमूना है।

क्या यूएसएआईडी ने अन्ना हजारे आंदोलन को धन दिया जिसके कारण यूपीए सरकार गिरी?

गिरीश लिंगन्ना

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यह दावा करके नई दिल्ली में खलबली मचा दी है कि भारत को संयुक्त राज्य अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) ने वोटर टर्नआऊट के लिए 21 मिलियन डॉलर की अमेरिकी सहायता दी थी। प्रकारान्तर से कहा गया कि उस धन का इस्तेमाल भारत के पिछले लोकसभा चुनाव 2024 को प्रभावित करने के लिए किया गया था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने देश की राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप के आरोप लगाये हैं। ध्यान रहे कि यूएसएआईडी एक स्वायत्त अमेरिकी सरकारी एजेंसी है, जो विदेशी नागरिक सहायता और विकास सहायता के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है। 2014 से सरकार के आलोचकों ने अक्सर दावा किया है कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा अल्पसंख्यकों और निचली जाति के समुदायों के लिए खतरा हैं। यह दृष्टिकोण यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ) की रिपोर्टों में भी दोहराया गया है, जिसमें गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसे भाजपा नेताओं का भी उल्लेख किया गया है। यूएसएआईडी और भारत के बीच साझेदारी 1950 के दशक से चली आ रही है जब अमेरिका ने भारत के खाद्य कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए खाद्य सहायता प्रदान करना शुरू किया था। यह सहायता कई वर्षों तक जारी रही और आखिरकार 2012 में समाप्त हो गयी। 2021 तक यूएसएआईडी ने भारत के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) को वित्तपोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे उसे भारतीय परिवारों के बारे में महत्वपूर्ण डेटा तक पहुंच मिली। 2011 में, भारत के चुनाव आयोग ने चुनावों के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और अपनाने के लिए यूएसएआईडी–समर्थित इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर इलेक्टोरल सिस्टम्स (आईएफईएस) के साथ भागीदारी की। 2014 सेयूएसएआईडी ने भारत के साथ कई पहलों में भागीदारी की है, जिसमें कैशलेस भुगतान को बढ़ावा देना और भारतीय रेलवे को शुद्ध–शून्य उत्सर्जन की दिशा में काम करने में मदद करना शामिल है। 2023 मेंयूएसएआईडी ने भारत को लगभग 175.71 मिलियन डॉलर का वित्तपोषण प्रदान किया। इसमें लोकतंत्र, मानवाधिकार और शासन से संबंधित कार्यक्रमों के लिए 7.43 मिलियन डॉलर शामिल थे, जैसा कि यूएसएस्पेन्डिंग द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है। भारत में यूएसएआईडी की भूमिका–सरकार और नागरिक समाज दोनों में– पीएम मोदी को हटाने की कोशिश करने के दावों के अलावा, राजनीतिक विवाद का कारण बनी है। सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस दोनों ने एक–दूसरे पर विदेशी प्रभावों के साथ काम करने का आरोप लगाया है। दोनों दलों ने यूएसएआईडी की गतिविधियों की जांच की मांग की है। ट्रम्प के बयान के एक दिन बाद गुरुवार (20 फरवरी) को कांग्रेस ने इस मुद्दे पर एक श्वेत पत्र की भी मांग की। थिंक टैंक यूसेनस फाउंडेशन के सीईओ ने स्पुतनिक को बताया कि 15 भारतीय सरकारी एजंसियों, नागरिक समाज समूहों और थिंक टैंकों के साथ यूएसएआईडी के संबंधों ने भारत की खुली और लोकतांत्रिक प्रणाली पर विदेशी प्रभाव के संभावित जोखिम को उजागर किया है। सीईओ ने बताया कि विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत पंजीकृत भारतीय संगठन विदेशी समूहों के साथ काम कर सकते हैं। हालांकि, श्हस्तक्षेपश किसे माना जाये, यह एक जटिल और व्यापक रूप से बहस का विषय है। सीईओ ने कहा, श्हमें यह पता लगाने की जरूरत है कि मतदाताओं के मतदान को प्रभावित करने के लिए उन्होंने किन राजनेताओं, सामुदायिक नेताओं या मीडिया आउटलेट से संपर्क किया होगा। यह संभव है कि यूएसएआईडी का समर्थन प्राप्त करने वाले लोग सोशल मीडिया और आमने–सामने की बैठकों के माध्यम से भारतीय मतदाताओं तक अपना एजेंडा फैला सकते हैं। उन्होंने भारत की नौकरशाही में छिपे विदेशी प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त की और बताया कि अमेरिका में परिवार वाले अधिकारियों पर दबाव या ब्लैकमेल का खतरा हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी प्रशिक्षण प्राप्त करने से वे इस तरह के प्रभाव के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। सीईओ ने सुझाव दिया कि इस बात की थोड़ी संभावना है कि डीप स्टेट और यूएसएआईडी–2014 के चुनाव से पहले भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का समर्थन करके पिछली कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार को गिराने में शामिल थे। थिंक टैंक प्रमुख ने सुझाव दिया कि डीप स्टेट को मोदी सरकार से वह समर्थन नहीं मिला जिसकी उसे उम्मीद थी। परिणामस्वरूप, इसने अपना दृष्टिकोण बदल दिया होगा और 2019 तथा 2024 के चुनावों में भाजपा को हटाने की दिशा में काम किया होगा। हालांकि, यह दावा करने वाली रिपोर्टें कि भारत को चुनावों में मतदाता मतदान को प्रभावित करने के लिए यूएसएआईडी से 21 मिलियन डॉलर मिले, झूठी साबित हुई है। इंडियन एक्सप्रेस ने इस दावे की जांच की और पाया कि भारत को ऐसा कोई फंड नहीं दिया गया था। इसके बजाय, यूएसएआईडी की श्चुनावश श्रेणी के तहत बांग्लादेश को कुल 23.6 मिलियन डॉलर आवंटित किये गये थे। इस तथ्य की पुष्टि इंडिया टुडे की डेटा इंटेलिजेंस यूनिट ने की, जिसने स्वतंत्र रूप से विवरणों की पुष्टि की। उनके निष्कर्षों के अनुसार, बांग्लादेश को दी गयी कुल राशि में से, 18.1 मिलियन डॉलर कंसोर्टियम फॉर इलेक्शन्स एंड पॉलिटिकल प्रोसेस स्ट्रेंथनिंग (साईपीपीएस) को प्रदान किये गये, जो एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का समर्थन करता है। शेष धनराशि चुनावी सहायता कार्यक्रमों में शामिल अन्य एजंसियों के बीच वितरित की गयी। सरल शब्दों में, यह दावा कि भारत को अपने चुनावों के लिए यूएसएआईडी से धन मिला, गलत है। वास्तविक निधि बांग्लादेश में चुनाव संबंधी पहलों के लिए निर्देशित की गयी थी, न कि भारत के लिए।

श्रेया घोषाल चिकनी चमेली गाना गाने पर शर्मिंदा हैं, नेटीजन्स ने निंदा की

> “ समय के साथ मैं इसके बारे में अधिक जागरूक हो गई हूं क्योंकि मैंने छोटी लड़कियों को इन गीतों को बिना उनका अर्थ समझे गाते हुए देखा है। वे बस उन पर नाच रही हैं, और वे मेरे पास आकर कहती हैं, 'ओह, हमें आपका गाना बहुत पसंद आया!

श्रेया घोषाल ने हाल ही में बताया कि कैसे बॉलीवुड के कई गानों में महिलाओं का नजरिया अभी भी पुरुषों द्वारा लिखा जाता है और उनका मानना घ्है कि इसमें बदलाव की जरूरत है। लिली सिंह के साथ एक इंटरव्यू में सिंगर ने यह भी माना कि उन्हें अपने गाने चिकनी चमेली को लेकर शर्मिंदगी महसूस होती है।

चिकनी चमेली से श्रेया शर्मिंदा है

श्रेया ने माना कि उन्होंने कुछ ऐसे गाने गाए हैं जिन्हें सीमा रेखा पर अश्लील माना जा सकता है, जिसमें चिकनी चमेली भी शामिल है, और कहा, कामुक, सेक्सी होने और पूरी तरह से वस्तु के रूप में देखे जाने या सामान्य रूप से महिलाओं को वस्तु के रूप में देखे जाने के बीच एक बहुत ही महीन रेखा है। समय के साथ मैं इसके बारे में अधिक जागरूक हो गई हूं क्योंकि मैंने छोटी लड़कियों को इन गीतों को बिना उनका अर्थ समझे गाते हुए देखा है। वे बस उन पर नाच रही हैं, और वे मेरे पास आकर कहती हैं, श्ओह, हमें आपका गाना बहुत पसंद आया! क्या हम इसे आपके लिए गा सकते हैं? और मुझे बहुत शर्मिंदगी महसूस होती है। एक छोटी लड़की, सिर्फ पांच या छह साल की, उन गीतों को गा रही है – यह अच्छा नहीं लगता। इतना ही नहीं, सिंगर ने आगे कहा कि अगर कोई महिला गीत लिखती तो गीत अधिक शालीन होतेरू ष्मैं इस बारे में सचेत हो गई हूं। सेक्सी या कामुक होने के बारे में बात करना गलत नहीं है, लेकिन जिस तरह से इसे लिखा गया है वह मायने रखता है। अगर कोई महिला इसे लिखती, तो वह इसे और अधिक शालीन तरीके से लिखती। यह सब दृष्टिकोण के बारे में है, और हमारे समाज में, विशेष रूप से भारत में, कुछ निश्चित मानक निर्धारित करना महत्वपूर्ण है। फिल्मों और संगीत का लोगों के जीवन पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है, और कोई भी ब्लॉकबस्टर गीत या फिल्म इतिहास का हिस्सा बन जाती है। मैं उस तरह के इतिहास का हिस्सा नहीं बनना चाहती।

नेटीजन्स ने दी अपनी प्रतिक्रिया

एक त्मककपज यूजर ने श्रेया की क्लिप शेयर की और फैन्स ने अपनी राय शेयर करना शुरू कर दिया। एक कमेंट में लिखा था, ष्श्रेया सही कह रही हैं। चिकनी चमेली बिल्कुल घटिया और घटिया है। मुझे इसमें कैटरीना कभी पसंद नहीं आई।ष एक अन्य यूजर ने हाल ही में इंडियन आइडल के एक एपिसोड में गाना गाने के लिए उनकी आलोचना करते हुए लिखा, ष्हाल ही में इंडियन आइडल के एक एपिसोड में उन्होंने खुद यह गाना गाया और ऐसा लगा कि उन्हें यह पसंद आया। पाखंड की कोई सीमा नहीं होती। एक अन्य रेडिट यूजर ने कहा, मैंने उनके कॉन्सर्ट में भाग लिया है, और उन्होंने दोनों में चिकनी चमेली गाया है! एक अन्य टिप्पणी में लिखा था, श्वह अभी भी अपने कॉन्सर्ट में चिकनी चमेली गाती हैं और आखिरी बार उन्होंने पिछले साल के अंत में अमेरिका में गाना गाया था...थोड़ा दोहरा मापदंड!!ष श्रेया के बयान की आलोचना करते हुए एक अन्य ने लिखा, ष्बकवास...अभी हाल ही में उन्होंने एक तेलुगु गाना गाया है और अगर कोई इसके बोल समझता है तो वह सिर्फ एक महिला है जो पुरुष को उसके शरीर का इस्तेमाल अपनी पसंद से करने के लिए कह रही है। यह सब पैसे के लिए है।

चिकनी चमेली के बारे में

चिकनी चमेली 2012 की बॉलीवुड एक्शन–ड्रामा अग्निपथ फिल्म का एक आइटम सॉन्ग है, जिसमें ऋतिक रोशन, प्रियंका चोपड़ा और संजय दत्त ने अभिनय किया है। इस गाने में कैटरीना कैफ ने अभिनय किया था और यह बहुत हिट हुआ था। इसे श्रेया घोषाल ने गाया है और इस गाने को अजय–अतुल ने कम्पोज किया है, जबकि इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं।

सर अपने वेलेंटाइन के साथ ... तलाक की खबरों के बीच वायरल हुआ सुनीता अहूजा का बयान

इस समय बी–टाउन के गलियारों में गर्विंदा और सुनीता आहूजा के तलाक की खबरें सुर्खियों में हैं। 37 सालों से एक साथ रहने वाले गोविंदा और सुनीता आहूजा के बीच तलाक की अफवाहों ने बॉलीवुड में हलचल मचा दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनका तलाक फाइनल स्टेज पर है। गोविंदा का एक्सट्रा मैरिटल अफेयर तलाक की वजह बताया गया है। गोविंदा का एक मराठी एक्ट्रेस के साथ अफेयर चल रहा है। हैरानी की बात तो ये है कि वो एक्ट्रेस 30 साल की है।दोनों की उम्र में करीब 31 साल का अंतर है लेकिन एक्ट्रेस के नाम का खुलासा नहीं हुआ है। वहीं अभी तक गोविंदा या सुनीता ने इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। इसी बीच सुनीता आहूजा का वेलेंटाइन डे सेलिब्रेशन का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह अपने बेटे यशवर्धन आहूजा के साथ पैपराजी के लिए पोज देती नजर आ रही हैं। रेड आउटफिट में ग्लैमरस दिख रहीं सुनीता आहूजा ने पैपराजी से मुलाकात की और मजेदार बातचीत की। जब उनसे पूछा गया कि गोविंदा वेलेंटाइन डे पर कहां हैं, तो उन्होंने हंसते हुए जवाब दियाकृश्सर अपने वेलेंटाइन के साथ हैं। उनके इस जवाब ने सभी को चौंका दिया, लेकिन फिर उन्होंने तुरंत सफाई दी ऐसा वैसा कुछ मत समझना। वो अपने काम से बहुत प्यार करते हैं ना, तो काम उनका वेलेंटाइन है! सुनीता के ह्यूमर और चटपटे जवाबों के लिए वह जानी जाती हैं लेकिन इस बयान ने गोविंदा और उनके रिश्ते पर चल रही अफवाहों को और हवा दे दी है। क्या यह सिर्फ एक मजाक था या इसके पीछे कोई इशारा छिपा है? फैंस इसे जानना चाहता हैं। गोविंदा और सुनीता आहूजा की शादीशुदा जिंदगी में कई उतार–चढ़ाव आए हैं, और दोनों ने हमेशा अपने रिश्ते को लेकर बेबाकी से बात की है। लेकिन हाल ही में सुनीता के एक बयान ने फिर से चर्चा तेज कर दी है। सुनीता ने एक इंटरव्यू में कहा था–ष्कभी किसी मर्द पर भरोसा मत करो। पहले गोविंदा बहुत शर्मीले थे, लेकिन अब... मुझे नहीं पता कि वो वैसे ही हैं या बदल गए हैं। आप कभी नहीं जान सकते कि लोग आपकी पीठ पीछे क्या कर रहे हैं। लोग गिरगिट की तरह रंग बदलते हैं। हमारी शादी को 37 साल हो गए हैं। अब वो कहां जाएंगे? पहले तो वो कहीं जाते ही नहीं थे लेकिन अब... मुझे नहीं पता वो वैसे ही हैं या बदल गए हैं। आप कभी नहीं जान सकते कि लोग आपकी पीठ पीछे क्या कर रहे हैं।

बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल से ब्रेकअप के बाद सुष्मिता सेन ने शादी पर कही ये बात, 49 की उम्र में ढूंढ रही दूल्हा

बॉलीवुड अदाकारा सुष्मिता सेन ने फिल्म इंड्रस्टी में अपना मुकाम बनाया है। एक्ट्रेस आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है। सुष्मिता सेन की जिंदगी में प्यार की कोई कमी नहीं रही हैस हालांकि, फिर भी उन्होंने अपना घर नहीं बसा पाया। इस बीच एकट्रेस ने अपनी शादी के प्लांस के बारे में बात की है। हालिए में सुष्मिता सेन से एक फैन ने उनकी शादी के प्लान के बारे में पूछा। इस जवाब को लेकर उनके फैंस काफी खुश नजर आ रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि शादी करने के लिए वो सही इंसान की तलाश कर रही हैं।

सुष्मिता सेन दूल्हा की तलाश कर रहीं

हालिए में एक्ट्रेस अपने इंस्टाग्राम पर फैंस से लाइव सेशन के दौरान बातचीत की। इस दौरान एक फैन ने उनसे शादी के प्लान के बारे में पूछा जिसे एक्ट्रेस नजरअंदाज नहीं कर पाई। फैन का सवाल का जवाब देते हुए एक्ट्रेस ने कहा, मैं भी शादी शादी करना चाहती हूं। मिलना चाहिए न कोई शादी करने लायक। ऐसे थोड़ी होती है शादी। कहते है न, बहुत रोमांटिक तरीके से तो दिल का रिश्ता होती है शादी। कहते है न, बहुत रोमांटिक तरीके से तो दिल का रिश्ता होता है, दिल तक बात तो पहुंचनी चाहिए न, शादी भी कर लेंगे।

सुष्मिता ने दो बेटी को गोद ली है

वैसे तो सुष्मिता सेन लाइमलाइट से दूर रहती हैं। बेहद ही कम उम्र में दो बेटियों की गोद लिया है। बेटियों की सारी जिम्मेदारियां एक्ट्रेस ने संभाली हैं। एक्ट्रेस का अफेयर कई सेलेब्स से जुड़ चुका है। इतना ही नहीं, ललित मोदी ने तो एक्ट्रेस के साथ फोटोज शेयर करके उन्हें अपनी होने वाली पत्नी तक बता दिया था। पहले एक्ट्रेस अपने बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल के साथ अक्सर नजर आती रहती है। लेकिन एक्ट्रेस ने रोहमन संग शादी के बारे में कुछ नहीं कहा।

सुष्मिता सेन की फिल्में

सुष्मिता की फिल्मी करियर के बारे में बात करें तो उनको वेब सीरीज आर्या को लेकर खूब तारीफें बटोरी हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस ट्रांसजेंडर गौरी सांवत की जिंदगी पर बनी फिल्म ताली में भी नजर आई है। जिसे लोगों ने काफी पसंद किया है।

प्रीति जिंटा ने कांग्रेस की अफवाहों को बताया बकवास, बोली– शर्म आनी चाहिए

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने कांग्रेस पार्टी पर फेक न्यूज फैलाने का आरोप लगाया है। मंगलवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने 10 साल पहले लिए गए लोन का जिक्र करते हुए कांग्रेस पार्टी पर भड़कते हुए आरोप लगाया कि वह फेक न्यूज को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने पार्टी से कहा कि उन्हें इस तरह की हरकत के लिए शर्म आनी चाहिए। केरल कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें लिखा था, प्रीति जिंटा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट भाजपा को दे दिए और 18 करोड़ रुपये माफ करवा लिए। पिछले हफ्ते बैंक को नुकसान हुआ और अब जमाकर्ता अपनी रकम के लिए सड़क पर आ गए हैं। प्रीति जिंटा ने इस पोस्ट का जवाब दिया और कांग्रेस पार्टी को फटकार लगाई। उन्होंने री–पोस्ट करते हुए लिखा, श्नहीं, मैं खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स चलाती हूं और आपको फेक न्यूज फैलाने के लिए शर्म आनी चाहिए! किसी ने मेरे लिए कुछ नहीं लिखा और न ही मैंने कोई लोन लिया। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें इस बात पर हैरानी हो रही है कि कोई राजनीतिक पार्टी या उनका प्रतिनिधि उनके नाम और तस्वीरों का इस्तेमाल करके फेक न्यूज फैलाकर गपशप और क्लिकबैट कर रहा है। प्रीति जिंटा ने स्पष्ट किया कि जो लोन लिया था, वह 10 साल पहले लिया था और उसे पूरी तरह से चुका दिया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अब यह बात साफ हो जाएगी और भविष्य में ऐसी गलतफहमियां नहीं होंगी। हाल ही में खबरें आई थीं कि न्यू इंडिया कारपोरेट बैंक लि0 ने प्रीति जिंटा के 18 करोड़ रुपये माफ कर दिए थे। दरअसल, बैंक को कुछ समय पहले अनियमितताओं का सामना करना पड़ा था, जिसके कारण ग्राहकों को अपनी रकम मिलने में दिक्कतें आई थीं। ऐसी खबरें आई थीं कि बैंक ने कुछ लोगों को नियमों का पालन किए बिना लोन दिया था और वह लोन माफ भी कर दिए थे, जिसमें प्रीति जिंटा का नाम भी था।

कैटरीना कैफ ने महाकुंभ में डुबकी लगाई और फिर रवीना टंडन और राशा थडानी के साथ गंगा आरती की

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ कल अपनी सास वीना कौशल के साथ प्रयागराज पहुंचीं और महाकुंभ में डुबकी लगाई। संगम में डुबकी लगाने से पहले एक्ट्रेस ने परमार्थ निकेतन आश्रम के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती और साध्वी भगवती सरस्वती से मुलाकात की। इसके अलावा वो अपनी सास के साथ प्रयागराज में गंगा आरती भी करती नजर आईं। इस दौरान के कई वीडियो सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहे हैं। कैटरीना को संगम में डुबकी लगाते देख फैंस उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं। कैटरीना ने इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मैं इस बार यहां आ सकी। मैं वास्तव में बहुत खुश और आभारी हूं। मैंने स्वामी चिदानंद सरस्वती से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। मैं यहां अपना अनुभव अभी शुरू कर रही हूं। मुझे हर चीज की ऊर्जा, सुंदरता और महत्व पसंद है। मैं यहां पूरा दिन बिताने के लिए उत्सुक हूं। परमार्थ निकेतन आश्रम ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर कैटरीना कैफ की डुबकी के दौरान की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने इन तस्वीरों के साथ लिखा, महाकुंभ मेले में आज संगम में पवित्र स्नान के लिए @katrinakaif और उनके परिवार के साथ जाना कितना आनंददायक था। यह उन चीजों में से एक है जो मुझे भारत के बारे में बहुत पसंद है – यहां तक कि जो लोग मनोरंजन या व्यवसाय में बहुत सफल हैं, वे अभी भी इतने पवित्र, समर्पित और आध्यात्मिक हैं। ग्लैमर के बीच भी, उनके जीवन में ईश्वर की उपस्थिति बहुत मजबूत है। आज कैटरीना से मिलना और @pujyaswamiji के साथ हमारे @parmarthniketan शिविर में एक साथ होना और फिर स्नान के लिए जाना, उनके आध्यात्मिक जुड़ाव और भक्ति की गहराई को देखना बहुत सुंदर था। इस तरह के प्रभाव की हमें मशहूर हस्तियों से आवश्यकता है। परमार्थ निकेतन आश्रम ने गंगा आरती का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें कैटरीना के अलावा रवीना टंडन और उनकी बेटी राशा थडानी भी नजर आ रही हैं। तीनों ही कलाकार पीले रंग के कपड़ों में गंगा आरती करती नजर आ रही हैं। इसके अलावा तीनों ने वहां बैठकर भजन कीर्तन भी किया।

इन दिनों भूलकर भी न खाएं गुड़, जानें इसकी जगह किस चीज का सेवन करें

सर्दियों के दौरान गुड़ का सेवन करना काफी जरुरी होता है। यह स्वाद के साथ ही रेसिपरेटरी ट्रैक्ट के लिए अच्छा माना जाता है। लेकिन कई बार गलत समय पर गुड़ के सेवन से हेल्थ प्रॉब्लम शुरु हो जाती है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसे खाने से एलर्जी, धूल-मिट्टी के कण परेशान नहीं कर पाते हैं। वहीं, अगर आप गलत समय पर अगर सही चीज खाते हैं, तो इससे आपको कम फायदे और कई नुकसान ज्यादा मिलने लगते हैं। इंस्टाग्राम पर आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉ. रोबिन शर्मा ने अपने वीडियो में बताया है कि गुड़ खाने से कई बार नुकसान हो सकता है। गुड़ खाने में स्वादिष्ट होता है इसके साथ ही यह कब्ज, बवासीर, अपच, पेशाब में रुकावट और पेट की 20 प्रकार की बीमारियों के लिए काफी लाभदायक होता है।

गुड़ कब खाएं?

डॉक्टर ने बताया कि वसंत ऋतु का आगमन हो चुका है और अगले 45 से 60 दिनों तक गुड़ का सेवन करना हानिकारक हो सकता है। इसलिए अगर आप फिट रहने के लिए गुड़ खाने से बचें।

क्या है इसके पीछे कारण?

एक्सपर्ट के मुताबिक, वसंत ऋतु में हमारे शरीर में कफ दोष का प्रकोप होता है और इस दौरान गुड़ शक्कर सभी चीजें जैसे कि मीठे पदार्थ का प्रयोग करने का मनाही की गई है। क्योंकि मीठे चीजों का सेवन करने कफ दोष और अधिक कुपित हो सकता है जो कि पहले हो रखा हो।

इसकी जगह शहद का सेवन करें

इसके जगह आप शहद का सेवन कर सकते हैं। क्योंकि शहद के सेवन से अपने रुक्ष गुण के कारण मीठा होने के पश्चात भी कफ दोष को कम करने का कार्य करता है।

शादी हो या फेस्टिवल अपनी डायटिंग को बरकरार रखने के लिए, इन टिप्स को फश्लो करें

अभी तो शादी का सीजन चल रहा है और कुछ ही दिन त्योहार भी शुरु हो जाएंगे। ऐसे में खाने पीने का ख्याल रख पाना थोड़ा मुश्किल होता है। अगर आप डायटिंग पर रहते हैं, इस दौरान खुद को फिट रखने में मुश्किल आ जाती है। कुल लोग परेशान रहते हैं कि अगर वह एक बार बाहर का खाना खा लेते हैं तो फिर डायट पर वापिस लौटना मुश्किल होता है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कैसे अपनी डायट को बेहतरीन बना सकते हैं।

शुगर या फिजी ड्रिंक को कहें ना

आमतौर पर मीठी ड्रिंक्स का सेवन करने से ढेर सारी कैलोरी को आसानी से अपने शरीर में शामिल कर सकते हैं। इसलिए फिजी ड्रिंक हो, फलों का रस हो, स्क्वैश हो, चीनी वाली चाय या कॉफी हो इन सभी चीजों में चीनी शामिल हो सकती है। किसी भी पार्टी, वेडिंग या त्योहार के दौरान चीनी या चीनी से बनीं चीजों को न खाएं।

अल्कोहल को न कहें

अल्कोहल कैलोरी में हाई होते हैं। जो लोग अल्कोहोलिक ड्रिंक का सेवन करते हैं,तो इन लोगों को हेल्दी फूड और एक्टिविटी प्लानिंग पर टिके रहने की संभावना कम है। इसलिए अल्कोहल कम पिएं।

तभी खाएं जब आपको भूख लगे

पार्टी में कई प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन बनते हैं। इन फूड्स को देखकर आपको क्रेविंग होती है। ऐसे में आपको इस बात का ध्यान रखना है कि भूख न हो तो न खाएं। इस बात का ध्यान रखें कि आप सिर्फ दिन में 3 बार ही खाना खाएं और दो टाइम हेल्दी स्नैकिंग कर सकते हैं।

हेल्दी ऑप्शन का चयन करें

शादी या पार्टी में कई तरह-तरह का खाना होता है, लेकिन आप चाहें तो अपने मुताबिक हेल्दी खाने को चुन सकते हैं। जैसे कि फ्रूट्स खाएं या फिर सब्जियों की सलाद भी खा सकते हैं। यदि आप को ज्यादा भूख हो तो आप दाल-चावल खा सकते हैं।

कोहनी के कालेपन को कहें अलविदा अपनाएं ये घरेलू उपाय

क्या आपकी कोहनी का रंग भी काला हो गया है और आप परेशान हैं? ऐसा महसूस होता है कि आप जितना भी ध्यान दें, फिर भी वो साफ नहीं हो पाती? दरअसल, कोहनी का काला पड़ना एक आम समस्या है, लेकिन इसके कई आसान और सामान्य कारण होते हैं। यह सिर्फ आपकी त्वचा का मामला नहीं, बल्कि कुछ गलत आदतों या स्किनकेयर के तरीके से भी हो सकता है। अगर आप भी कोहनी के कालेपन को लेकर परेशान हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है! यहाँ हम आपको बताएंगे कि इसके पीछे की वजह क्या हो सकती है और इसे कैसे सही किया जा सकता है।

क्रीम अप्लाई न करना

अगर आपकी कोहनियां रूखी और बेजान दिखती हैं, तो इसका सबसे बड़ा कारण मॉइस्चराइजर न लगाना हो सकता है। कोहनियों की स्किन मोटी होती है और यह शरीर के अन्य हिस्सों की तुलना में जल्दी ड्राई हो जाती है। अगर आप रोजाना मॉइस्चराइजर नहीं लगाते हैं, तो स्किन सख्त और डार्क हो सकती है।रोजाना नहाने के बाद कोहनियों पर कोकोआ बटर, शीया बटर या एलोवेरा युक्त क्रीम लगाएं। इससे स्किन हाइड्रेटेड रहेगी और कोहनी का कालापन कम होगा।

सनस्क्रीन न लगाना

हम अक्सर कोहनी की त्वचा को सूर्य की हानिकारक यूवी किरणों से बचाने की जरूरत को नजरअंदाज कर देते हैं। यूवी किरणें त्वचा को डैमेज कर सकती हैं और इसके कारण काले धब्बे या टैनिंग हो सकती है।कोहनी पर भी सनस्क्रीन लगाएं, खासकर जब आप बाहर जाएं। यदि कोहनी में काले धब्बे हो गए हैं, तो टैनिंग से बचने के लिए घर के अंदर रहकर स्किनकेयर करें।

स्किन केयर प्रोडक्ट्स का गलत चुनाव

बहुत से स्किन केयर प्रोडक्ट्स में हार्श केमिकल्स होते हैं जो आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ये प्रोडक्ट्स कोहनी की त्वचा को और अधिक सूखा और काला बना सकते हैं। कोहनी की त्वचा के लिए हमेशा हल्के और प्राकृतिक स्किन केयर प्रोडक्ट्स का चुनाव करें। ऐसी क्रीम का उपयोग करें जिसमें लैक्टिक एसिड या ग्लाइकोलिक एसिड हो, जो मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने में मदद करें।

डेड स्किन रिमूव न करना

अगर आपकी कोहनियां रोज एक्सफोलिएट नहीं होतीं, तो डेड स्किन जमा होकर वहां कालापन बढ़ा सकती है। खासकर अगर आप ड्राई स्किन वाले हैं, तो यह समस्या और भी गंभीर हो सकती है। हफ्ते में 2-3 बार कोहनियों पर हल्का स्क्रब करें। चीनी और शहद, ओटमील स्क्रब या कॉफी स्क्रब अच्छे नेचुरल ऑप्शन हैं।

हार्श साबुन का इस्तेमाल करना

ज्यादा हार्श या केमिकल बेस्ड साबुन कोहनियों की स्किन को ड्राई और डल बना सकते हैं। अगर आप रोजाना ऐसे साबुन का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो इससे स्किन की नमी खत्म हो सकती है और कालापन बढ़ सकता है। माइल्ड और मॉइश्चराइजिंग साबुन चुनें। ऐसे साबुन जिनमें एलोवेरा, ग्लिसरीन या नारियल तेल हो, वे स्किन को नरम बनाए रखते हैं।

कोहनी के कालेपन को सुधारने के घरेलू उपाय

नमक और तेल का पैकः नमक और नारियल तेल को मिलाकर एक पैक तैयार करें। इसे कोहनी पर लगाकर 10-15 मिनट के लिए छोड़ें और फिर पानी से धो लें। यह मृत त्वचा को हटाने और कोहनी को चमकदार बनाने में मदद करता है।

नींबू का रस और शहदः नींबू का रस और शहद मिलाकर कोहनी पर लगाएं। नींबू में ब्लीचिंग गुण होते हैं, जो त्वचा के कालेपन को हल्का कर सकते हैं, जबकि शहद त्वचा को मॉइस्चराइज करता है।

बेसन और हल्दी का पैकः बेसन और हल्दी में थोड़ा दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे कोहनी पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ें। इसके बाद गुनगुने पानी से धो लें। यह पैक त्वचा को सफेद और मुलायम बनाने में मदद करता है।

कोहनी का काला पड़ना अक्सर स्किनकेयर से जुड़ी गलत आदतों या स्वास्थ्य संबंधी कारणों की वजह से हो सकता है। इन आसान उपायों को अपनाकर आप अपनी कोहनी को फिर से स्वस्थ और सुंदर बना सकते हैं।

दर्द ने कर दिया है जीना मुश्किल, कहीं आपको तो नहीं हो गई राजघरानों वाली बीमारी ?

आज हम आपको ऐसी बीमारी के बारे में बताने जा रहे हैं जो पहले राजघरानों में ही पायी जाती थी, लेकिन अब यह आम हो गई है। उस समय इसके इलाज के लिए नीम हकीम के अलावा कोई विकल्प नहीं था। अनुमान लगाया गया है कि 2020 में इस बीमारी ने दुनिया भर में लगभग 56 मिलियन लोगों को प्रभावित किया, एक आंकड़ा जो 2050 तक 96 मिलियन तक बढ़ने का अनुमान है। चलिए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से।

क्या है इस बीमारी का नाम

इस बीमारी का नाम है गाउट जो एक प्रकार का गठिया है, जो शरीर मेंयूरिक एसिड के अधिक मात्रा में जमा होने के कारण होता है। यह जोड़ों में सूजन, दर्द और जलन का कारण बनता है, खासकर पैर के अंगूठे में। गठिया आज भी कई लोगों को प्रभावित करता है। इसलिए, एक ऐसी स्थिति इससे कभी राजाओं और रानियों की बीमारी माना जाता था, अब आम लोगों की बीमारी बन गई है, जिसमें युवा रोगियों का भी निदान किया जा रहा है।

असहनीय होता है इसमें दर्द

गाउट तब विकसित होता है जब रक्तप्रवाह में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ जाता है, जोड़ों में घुसपैठ करने से पहले जहां यह जम जाता है और सुई की तरह क्रिस्टल बन जाता है जो जोड़ों को सूजन देता है, जिससे वे अविश्वसनीय रूप से दर्दनाक हो जाते हैं। गाउट का अनुभव करने वाले कई लोग अक्सर इसे सबसे खराब दर्द के रूप में वर्णित करते हैं जो उन्होंने कभी महसूस किया है। यह सबसे आम तौर पर बड़े पैर के अंगूठे को प्रभावित करता है और यह त्वचा को हल्का सा स्पर्श भी असहनीय बना सकता है। यह अन्य जोड़ों को भी प्रभावित कर सकता है। यह स्टॉफी॰ (जोड़ों और कानों के आसपास सख्त सूजन) विकसित करने का कारण भी बन सकता है। गाउट फिर से हो सकता है, जिसके लिए अधिक तीव्र उपचार की आवश्यकता होती है।

गाउट के कारण

गाउट तब होता है जब शरीर में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ जाता है और यह जोड़ों में क्रिस्टल के रूप में जमा हो जाता है। हाई-प्रोटीन औरप्यूरिन युक्त भोजन (मांस, मछली, शराब) से यूरिक एसिड बढ़ता है। किडनी का सही से यूरिक एसिड को बाहर न निकाल पाना भी इसका बडा कारण है।

अनियमित खान-पान और लाइफस्टाइल

ज्यादा मांसाहार, जंक फूड और शराब का सेवन भी इसका कारण होता है। जिन लोगों को डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, किडनी की समस्या है वह जल्दी इसके चपेट में आते हैं। अगर परिवार में किसी को गाउट है, तो आपको भी इसका खतरा हो सकता है।

गाउट के लक्षण

-अचानक तेज दर्द(अक्सर रात में शुरू होता है)
-जोड़ों में सूजन और लालिमा(खासकर पैर के अंगूठे, टखने और घुटने में)
-जोड़ों में गर्माहट और जलन
-चलने-फिरने में कठिनाई

गाउट के इलाज और बचाव

- प्यूरिन युक्त भोजन (मांस, सीफूड, शराब) से बचें।
- हरी सब्जियां, दही, छाछ और पानी अधिक पिएं।
- रोजाना 30 मिनट वॉक करें।
- वजन को कंट्रोल में रखें।
- यूरिक एसिड को बाहर निकालने के लिए रोज 2-3 लीटर पानी पिएं।
- जरूरत पड़ने पर यूरिक एसिड कम करने की दवा लें।
- यूरिक एसिड को बाहर निकालने के लिए रोज 2-3 लीटर पानी पिएं।

नोटः यदि आपको अचानक जोड़ों में दर्द और सूजन होती है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

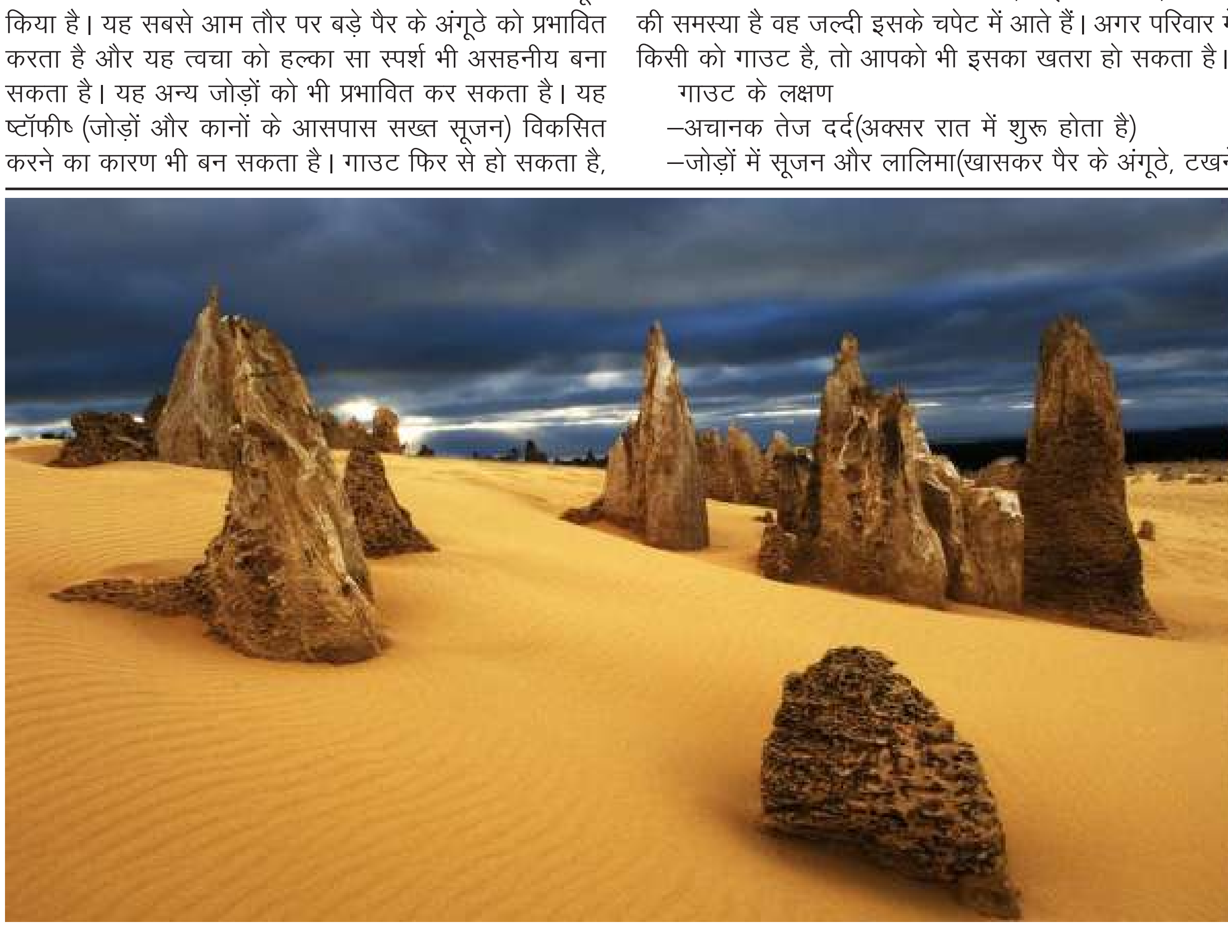

भारत की इन जगहों पर देखने को मिलेगा इंग्लैंड-स्विटजरलैंड जैसा नजारा, यादगार बनेगी ट्रिप

अधिकतर लोगों का विदेश घूमने का सपना होता है। लेकिन कई बार बजट के कारण लोग विदेश घूमने नहीं जाते हैं। वहीं भारत की खूबसूरती की तुलना कई विदेशी जगहों से की जाती हैं। यहां की जगहें न सिर्फ विदेशी स्थानों जैसी दिखे हैं, बल्कि वहां की समानता का भी अनुभव किया जा सकता है। ऐसे में आप भारत की इन जगहों पर घूमकर विदेशी खूबसूरती का लुत्फ उठा सकते हैं। भारत की इन जगहों पर घूमना न सिर्फ आपकी यात्रा को यादगार बनाएगा बल्कि प्रकृति की अनमोल विरासत से भी जोड़ेंगे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको भारत की उन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनकी तुलना दुनिया के फेमस स्थलों से की जाती है।

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के दृश्य बेहद खूबसूरत और शानदार होते हैं। श्रीनगर में शिकारा राइड, डल झील और ट्यूलिप फूलों के बगीचे का नजारा बिलकुल विदेशी जैसा है। श्रीनगर में डल झील के किनारे खिले हुए ट्यूलिप फूलों का बगीचा और आसपास का शांत वातावरण आपका मन मोह लेगा। यहां के नजारे आपको नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम की याद दिलाएंगे। यहां पर एशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन है। श्रीनगर के इस गार्डन को इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डनश कहते हैं।

गुलमर्ग, जम्मू-कश्मीर : जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग को भारत का स्विटजरलैंड कहा जाता है। यहां पर आपको बर्फ से ढके पहाड़, स्कीइंग रिसॉर्ट्स और खूबसूरत घास के मैदान देखने को मिलेंगे। यहां पर गोंडोला राइड और विंटर स्पोर्ट्स पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है।

फूलों की घाटी, उत्तराखंड : उत्तराखंड की वैली ऑफ फ्लावर्स में मानसून के समय हजारों रंग-बिरंगे फूल खिलते हैं। आपको यहां का दृश्य अमेरिका के कैलिफोर्निया में मौजूद एंटीलोप वैली से बिलकुल मेल खाता है। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत है। यहां पर फोटोग्राफी के शौकीन लोगों की भारी भीड़ देखने को मिलती है।

थार मरुस्थल, राजस्थान : बता दें कि राजस्थान का थार मरुस्थल आपको यकीनन सहारा मरुस्थल की याद दिलाएंगा। यहां पर आपको रेत के टीलों, ऊंट की सवारी और रेगिस्तानी संस्कृति देखने को मिलेगी। जो आपको सहारा का अनुभव होगा।

संक्षिप्त

आरबीआई ने एनबीएफसी, सूक्ष्म वित्त कर्ज के लिए बैंक वित्त पर जोखिम भारांश कम किया

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और छोटी राशि के कर्ज देने वाली इकाइयों के लिए बैंक वित्त को लेकर जोखिम भारांश कम कर दिया। इस कदम से बैंकों के पास अधिक धन उपलब्ध होगा और वे अधिक कर्ज दे सकेंगे। कम जोखिम भारांश का मतलब है कि बैंकों को उपभोक्ता ऋण के लिए सुरक्षा के रूप में कम धनराशि अलग रखने की आवश्यकता होगी और उनकी उधार देने की क्षमता में वृद्धि होगी। केंद्रीय बैंक ने नवंबर, 2023 में जोखिम भार बढ़ाकर ऋण देने के मानदंडों को कड़ा किया था। उसके बाद एनबीएफसी और छोटी राशि के कर्ज देने वाले (माइक्रोफाइनेंस) संस्थानों दोनों के कर्ज देने की गति धीमी हुई है। उन सभी मामलों में जहां एनबीएफसी की बाह्य रेटिंग के अनुसार मौजूदा जोखिम भार 100 प्रतिशत से कम था, एनबीएफसी में वाणिज्यिक बैंकों के कर्ज पर जोखिम भार 25 प्रतिशत (दिए गए बाहरी रेटिंग से जुड़े जोखिम भार से अधिक) बढ़ा दिया गया था। आरबीआई ने परिपत्र में कहा, ''समीक्षा के बाद ऐसे कर्ज पर लागू जोखिम भार को बहाल करने का निर्णय लिया गया है।'' एक अन्य परिपत्र में आरबीआई ने कहा कि उसने माइक्रोफाइनेंस कर्ज पर जोखिम भारांश की समीक्षा की है। नवंबर 2023 में, व्यक्तिगत ऋण सहित उपभोक्ता कर्ज पर जोखिम भारांश भी 125 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया था। इसमें आवास, शिक्षा, वाहन और सोने और सोने के आभूषणों पर लिये जाने वाले कर्ज को अलग रखा गया था। आरबीआई ने कहा, ''समीक्षा के बाद, यह निर्णय लिया गया है कि उपभोक्ता ऋण की तरह सूक्ष्म वित्त कर्ज को भी उपरोक्त परिपत्र में निर्दिष्ट उच्च जोखिम भार से बाहर रखा जाएगा। फलस्वरूप, यह 100 प्रतिशत के जोखिम भार के अधीन होगा।'' केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि सूक्ष्म वित्त ऋण जो उपभोक्ता कर्ज की प्रकृति के नहीं हैं और कुछ मानदंडों को पूरा करते हैं, उन्हें नियामकीय खुदरा पोर्टफोलियो (आरआरपी) के तहत वर्गीकृत किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए शर्त है कि बैंक योग्यता मानदंडों को सुनिश्चित करने के लिए उचित नीतियां और मानक संचालन प्रक्रियाएं लागू करें। आरबीआई ने कहा कि इसके साथ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) और स्थानीय क्षेत्र बैंकों (एलएबी) द्वारा दिए गए सूक्ष्म वित्त ऋण पर 100 प्रतिशत का जोखिम भारांश लगेगा। इस बारे में इक्रा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सह समूह प्रमुख (वित्तीय क्षेत्र रेटिंग) अनिल गुप्ता ने कहा कि इस क्षेत्र में मौजूदा प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए यह एक स्वागतयोग्य कदम है। इससे संबंधित कंपनियों को कुछ राहत मिलेगी और ऋण प्रवाह बढ़ेगा।

सेबी ने नियामकीय चूक के लिए भारतीय समाशोधन निगम पर 5.05 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने साइबर सुरक्षा और आपदा रिकवरी ढांचे का पालन न करने के लिए भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड (आईसीसीएल) पर 5.05 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। सेबी के आदेश के अनुसार, आईसीसीएल को 45 दिन के भीतर जुर्माना भरना होगा। आईसीसीएल का 2007 में बीएसई लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी के रूप में गठन किया गया था। यह बीएसई

के विभिन्न खंडों के लिए समाशोधन, निपटान और जोखिम प्रबंधन के कार्य करता है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने यह पता लगाने के लिए कि आईसीसीएल ने सेबी के नियमों के प्रावधानों का अनुपालन किया है या नहीं, एक दिसंबर, 2022 से 31 जुलाई, 2023 की अवधि के लिए इसकी खाता बहियों और अन्य रिकॉर्ड का निरीक्षण किया। अपने निरीक्षण में, नियामक ने मुख्य नियामकीय प्रावधानों, विशेष रूप से साइबर सुरक्षा और आपदा रिकवरी में गैर–अनुपालन की स्थिति को पाया। नियामक ने आईसीसीएल को चार में से तीन आरोपों में दोषी पाया और सेबी अधिनियम और प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम (एससीआरए) के तहत जुर्माना लगाया।

स्पाइसजेट को अक्टूबर–दिसंबर 2024 तिमाही में 26 करोड़ रुपये का मुनाफा

विमानन कंपनी स्पाइसजेट का अक्टूबर–दिसंबर 2024 तिमाही का शुद्ध लाभ 26 करोड़ रुपये रहा। कंपनी को अक्टूबर–दिसंबर 2023 तिमाही में 300 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। विमान कंपनी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ''कुल राजस्व में 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1,651 करोड़ रुपये रहा। बढ़ती यात्रियों की संख्या, परिचालन दक्षता में वृद्धि आदि इसकी मुख्य वजह रही। पैसेंजर लोड फैक्टर (पीएलएफ) 87 प्रतिशत के प्रभावशाली स्तर पर रहा।'' कुल राजस्व जुलाई–सितंबर 2024 तिमाही में 1,077 करोड़ रुपये रहा था। हालांकि, अक्टूबर–दिसंबर 2023 तिमाही में दर्ज 2,149 करोड़ रुपये की तुलना में अक्टूबर–दिसंबर 2024 तिमाही में कुल राजस्व कम रहा। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने विज्ञप्ति में कहा, ''एक दशक में पहली बार कंपनी की 'नेटवर्थ' सकारात्मक दर्ज किया गया। यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है जो हमारी 'टर्नअराउंड' रणनीति की सफलता को रेखांकित करती है। ...अब हम स्पाइसजेट के लिए एक मजबूत, अधिक लचीले भविष्य के निर्माण पर दृढ़ता से ध्यान दे रहे हैं।'' अक्टूबर–दिसंबर 2024 तिमाही में कंपनी का 'नेटवर्थ' 70 करोड़ रुपये रहा। चालू वित्त वर्ष 2024–25 की तीसरी तिमाही के परिणाम मंगलवाल को घोषित किए जाने थे।

युवराज के पिता योगराज बोले- एक साल में पाकिस्तान क्रिकेट सुधार दूंगा, शोएब-वसीम को लताड़ा

पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में खिताब का बचाव करने के इरादे से उतरी थी, लेकिन उसे न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा जिससे उसका सफर शुरुआती चरण में ही थम गया।

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने वसीम अकरम और शोएब अख्तर जैसे पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटरों को जमकर लताड़ा है। योगराज ने इन पूर्व क्रिकेटरों की युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करने के बजाए कमेंट्री और वित्तीय लाभ लेने के कारण आलोचना की है। योगराज का कहना है कि पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने अपने पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों की सलाह की आवश्यकता है।

योगराज ने एक साल में सुधार लाने का दावा किया

योगराज ने इसके साथ ही चौलेंज किया है और दावा करते हुए कहा कि वह पाकिस्तान क्रिकेट को सिर्फ एक साल में सुधार सकते हैं। उनका बयान ऐसे समय सामने आया है जब मोहम्मद रिजवान की अगुआई वाली टीम का प्रदर्शन चौंपियंस ट्रॉफी में काफी खराब रहा है और टीम को ग्रुप चरण में ही बाहर का रास्ता देखना पड़ा है। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में खिताब का बचाव करने के इरादे से उतरी थी, लेकिन उसे न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा जिससे उसका सफर शुरुआती चरण में ही थम गया। योगराज सिंह ने कहा, वसीम अकरम जैसे बड़े खिलाड़ी खराब बातें बोल रहे हैं और उनके आसपास बैठे लोग हंस रहे हैं। उन्हें शर्म आनी चाहिए। शोएब अख्तर इतने बड़े खिलाड़ी हैं और वह पाकिस्तानी खिलाड़ियों की तुलना रोहित शर्मा और विराट कोहली से कर रहे हैं। वसीम जी आप वहां बैठकर पैसे कमा रहे हैं। अपने देश जाएं और शिविर लगाएं। मैं देखना चाहता हूं कि आप में से कितने दिग्गज पाकिस्तान को विश्व कप दिलाने में मदद करते हैं। अगर वे ऐसा नहीं कर सके तो

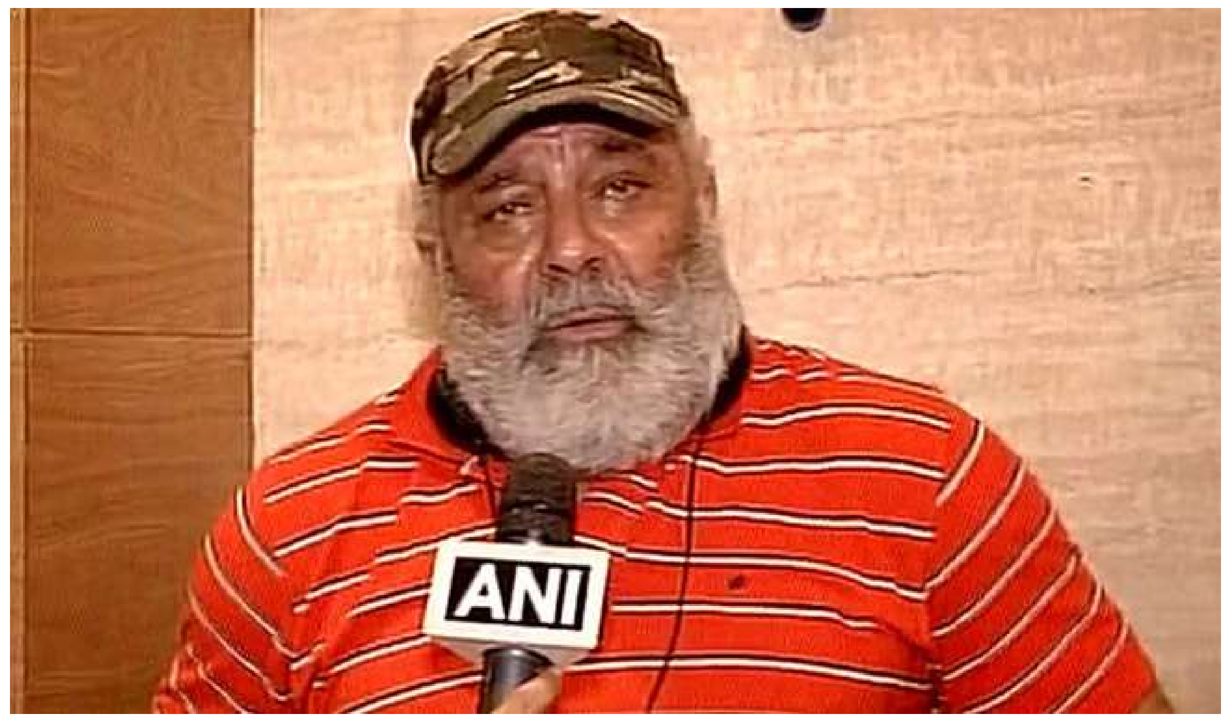

इस्तीफा दें। उन्होंने कहा, अगर मैं पाकिस्तान गया तो मैं टीम को एक साल में बेहतर बना दूंगा। आप सब मुझे याद रखेंगे। यह बस जुनून की बात है। योगराज सिंह रोजाना 12 घंटे की ट्रेनिंग कराता है। आपको अपने देश के लिए खून–पसीना लगाना होगा। कमेंट्री बॉक्स में बैठकर बड़ी–बड़ी बातें करने से कुछ नहीं होता।

भारतीय खिलाड़ियों से तुलना को लेकर अख्तर पर साधा निशाना

योगराज ने शोएब अख्तर पर निशाना साधा क्योंकि उन्होंने टीवी पर दावा किया था कि पाकिस्तान के पास अब प्रतिभा नहीं बचा नहीं है। अख्तर लगातार बाबर की तुलना कोहली से, मोहम्मद रिजवान की रोहित से और खुशदिल शाह की तुलना रवींद्र जडेजा से कर रहे थे। अख्तर ने सवाल खड़े किए थे कि क्या पाकिस्तान के खिलाड़ी अपने भारतीय समकक्ष की तुलना में फिट बैठते हैं? योगराज ने अख्तर का दावा खारिज किया और कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों को सही मेंटरिंग और मार्गदर्शन की जरूरत है। योगराज ने इस बात को भी मानने से इन्कार कर दिया कि पाकिस्तान के पास प्रतिभा की कमी है। उन्होंने इमरान खान का उदाहरण दिया और कहा कि मौजूदा पीढ़ी के क्रिकेटरों को मजबूत मेंटर की जरूरत है।

शुभमन गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ मचाएंगे तबाही, दोहराएंगे 2 साल पहले की शानदार पारी को

दुबई में खेले जाने वाले इस मैच में एक तरफ जहां भारतीय टीम मैच को जीतने की कोशिश करेगी तो वहीं दूसरी तरफ कीवी टीम की भी यही कोशिश होगी। न्यूजीलैंड को पता है कि भारतीय टीम में स्टार खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं है, लेकिन उन्हें सबसे ज्यादा खतरा टीम इंडिया के उपकप्तान शुभमन गिल से है। जिन्होंने पहले बांग्लादेश और फिर पाकिस्तान के खिलाफ शानदार पारी खेली। वहीं गिल ने दो साल पहले 18 जनवरी 2023 को न्यूजीलैंड के खिलाफ यादगार पारी खेली थी। जिसे कीवी टीम शायद ही भूली है। शुभमन गिल का न्यूजीलैंड के खिलाफ गजब का वनडे रिकॉर्ड है और इसके बारे में हम आपको बताते हैं, लेकन उससे पहले उन्होंने 2 साल पहले यानी 18

जनवरी 2023 को कीवी टीम के खिलाफ जो पारी खेली थी उसके बारे में बताते हैं। गिल की उस पारी को कीवी टीमशायद ही भूली होगी। गिल ने हैदराबाद में कीवी टीम के खिलाफ 9 छक्के और 19 चौकों की मदद से 208 रन की पारी खेली थी। गिल ने इस दौरान 149 गेंदों का सामना किया था। उन्होंने उस मैच में जिस तरह कीवी गेंदबाजों के फीते खोले थे वो वाकई काबिलेतारीफ थी। और इस मैच को भारत ने जीता था। ये गिल के वनडे क्रिकेट करियर का सबसे बड़ा स्कोर है साथ ही वो इस पारी के बाद वनडे फॉर्मेट में भारत की तरफ से तीसरे सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए थे। गिल ने कीवी टीम के खिलाफ इस मैच में 145 गेंदों पर ये कमाल किया था। गिल का बल्ला वनडे में कीवी टीम के खिलाफ खूब चलता है और उनका वनडे रिकॉर्ड इस टीम के खिलाफ बेहद तगड़ा है। मौजूदा भारतीय टीम में जितने भी बल्लेबाज हैं गिल का औसत उन सबमें कीवी टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा है। गिल ने न्यूजीलैंड केखिलाफ अब तक 10 वनडे खेले हैं और इन मैचों की 10 पारियों में उन्होंने 84.28 की औसत से रन बनाए हैं। गिल नेइस टीम के खिलाफ 10 मैचों में 2 शतक व 2 अर्धशतक लगाए हैं और बेस्ट स्कोर 208 रन रहा है। 10 पारियों में वो इस टीम के खिलाफ 3 बार नाबाद रहे हैं और इस दौरान 60 चौके वो 21 छक्के भी लगाए हैं।

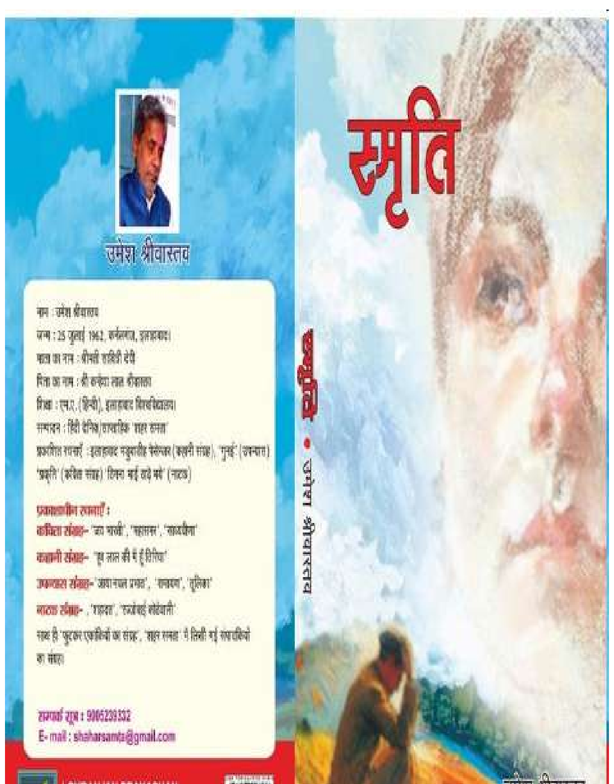

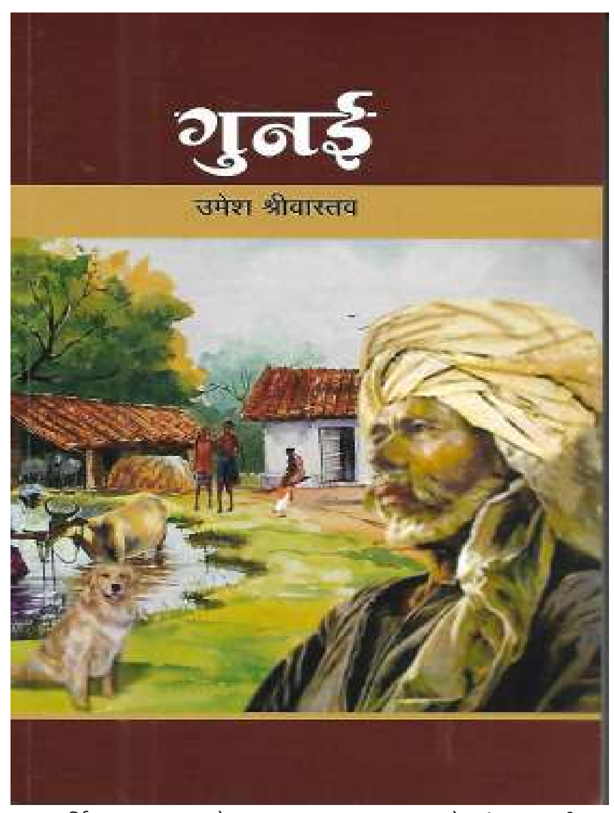

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

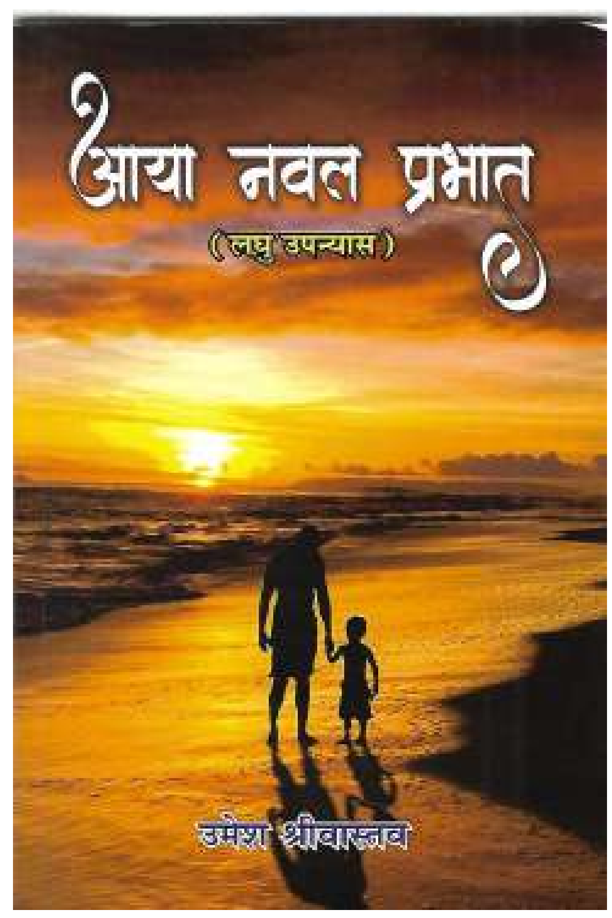

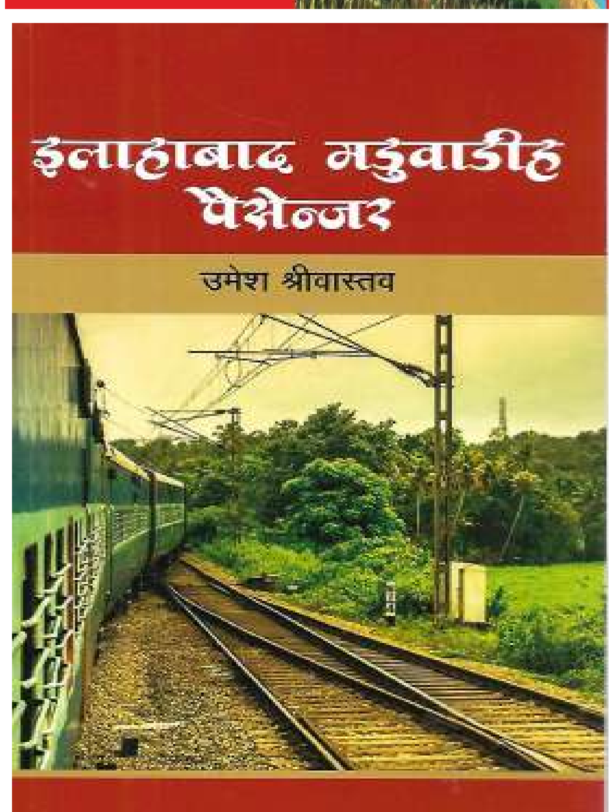

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

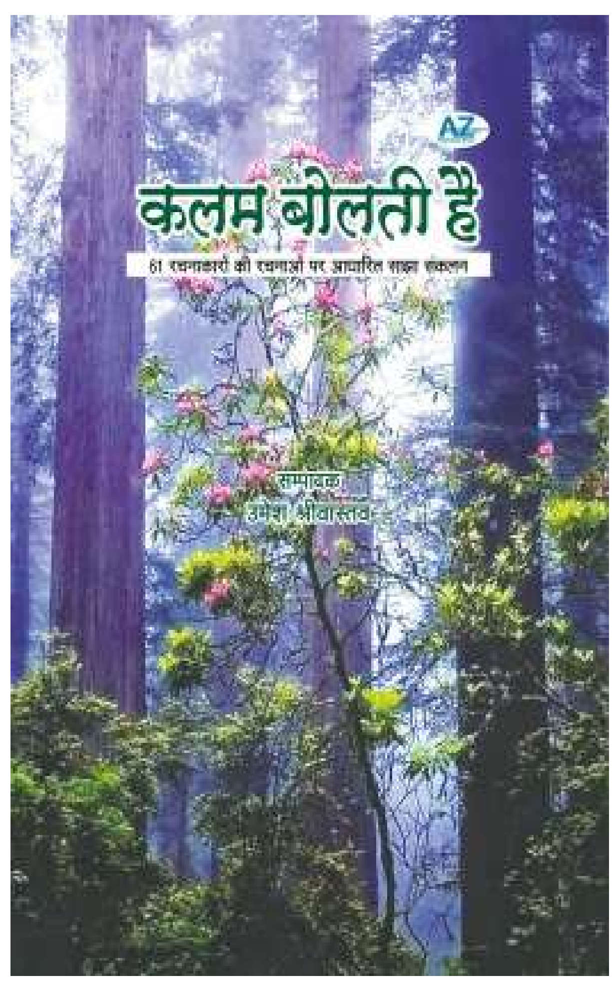

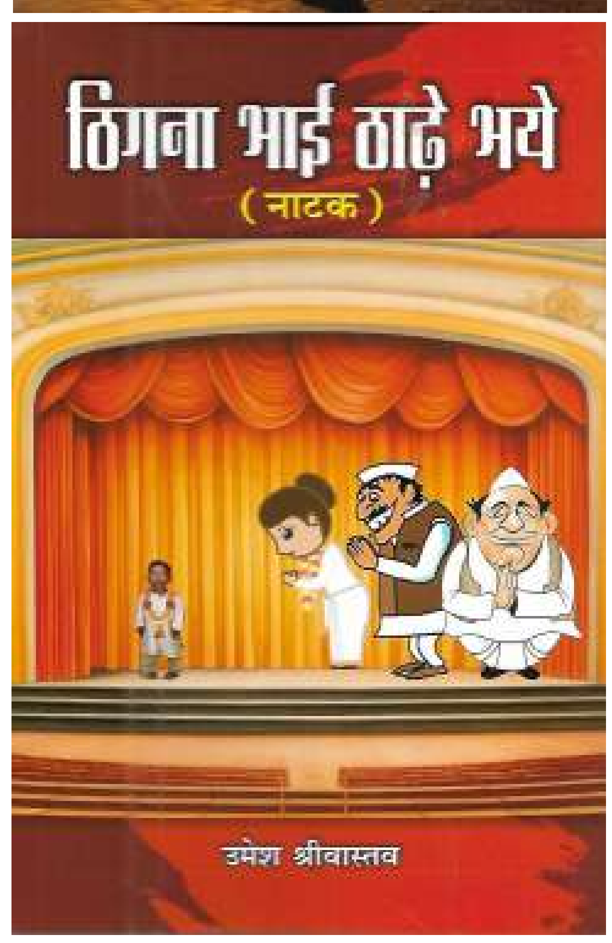

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर आम नागरिक के घर पर गिरा, 49 लोगों की मौत

सूडान के ओमदुरमान शहर में एक सैन्य विमान एक नागरिक के घर से टकरा गया। इस दुर्घटना में कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई है और 10 अन्य घायल बताए जा रहे हैं। सेना ने एक बयान में कहा कि मंगलवार को ओमदुरमान के उत्तर में वादी सैयदना एयरबेस से उड़ान भरते समय 'एंटोनोव' विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने कहा कि दुर्घटना में सैन्य कर्मियों और नागरिकों की जान चली गई है। बयान में कहा गया, ‘घायलों को अस्पताल ले जाया गया है और अग्निशमन दल दुर्घटना स्थल पर आग पर काबू पाने में कामयाब रहे। एक सैन्य सूत्र ने पहले ‘एएफपी’ को बताया था कि एंटोनोव विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के पीछे तकनीकी खराबी थी। मंत्रालय ने कहा कि विमान ओमदुरमान के करारी जिले में दुर्घटनाग्रस्त होकर एक नागरिक के घर पर गिरा, जिससे जमीन पर लोगों के मारे जाने की भी आशंका है। सूडान 2023 से गृहयुद्ध की स्थिति में है, जब सेना और अर्धसैनिक समूह रैपिड सपोर्ट फोर्सेजस के बीच तनाव खुले युद्ध में बदल गया था। हाल के महीनों में युद्ध और भी तेज़ हो गया है, सेना खार्तूम और देश के अन्य हिस्सों में आरएसएफ के खिलाफ़ लगातार आगे बढ़ रही है। आरएसएफ, जो दारफ़ुर के पश्चिमी क्षेत्र के अधिकांश हिस्से को नियंत्रित करता है, ने कहा कि उसने सोमवार को दक्षिण दारफ़ुर प्रांत की प्रांतीय राजधानी न्याला में एक सैन्य विमान को मार गिराया।

ट्रंपने बनाई 50 लाख डॉलर में "गोल्ड कार्ड" देने की योजना, निवेशकों को आकर्षित करना मकसद

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने निवेशकों के लिए 35 साल पुराने वीजा की जगह 50 लाख अमेरिकी डॉलर में "गोल्ड कार्ड" पेश करने की योजना बनाई है, जिसे लेने वाले अमेरिकी नागरिकता पाने के पात्र हो जाएंगे। ट्रंप ने ओवल ऑफिस (अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय) में कहा, "अमीर और सफल लोग ये वीजा ले सकते हैं। वे काफी पैसा निवेश करेंगे, काफी कर का भुगतान करेंगे, काफी लोगों को नौकरी देंगे और मुझे लगता है कि यह (योजना) बहुत ही सफल होने वाली है।" वाणिज्य मंत्री होवार्ड ल्युटनिक

ने कहा कि दो सप्ताह में ईबी–5 वीजा की जगह "ट्रंप गोल्ड कार्ड" ले लेगा। संसद ने 1990 में विदेशी निवेश को ध्यान में रखते हुए ईबी–5 वीजा पेश की थी और यह 10 लाख अमेरिकी डॉलर का निवेश करने वाले व्यक्तियों के लिए उपलब्ध है। आव्रजन से संबंधित गृह मंत्रालय के वार्षिक आंकड़ों के अनुसार 30 सितंबर 2022 तक 12 महीने के दौरान लगभग 8,000 लोगों ने निवेशक वीजा लिया था। संसद की शोध सेवा ने 2021 में कहा था कि ईबी–5 वीजा में धोखाधड़ी का खतरा बना रहता है। परामर्श कंपनी 'हेनली एंड पार्टनर्स' के अनुसार दुनियाभर में निवेशक वीजा आम हैं। कंपनी के अनुसार अमेरिका, ब्रिटेन, स्पेन, ग्रीस, माल्टा, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और इटली समेत दुनियाभर के 100 से अधिक देश अमीर लोगों को "गोल्डन वीजा" देते हैं। ट्रंप ने कहा, "यह (गोल्ड कार्ड) एक ग्रीन कार्ड की तरह होगा, लेकिन किसी भी तरह के गडबड़झाले से मुक्त होगा। यह लोगों, खासकर अमीर और प्रतिभाशाली व्यक्तियों के लिए अमेरिकी नागरिकता लेने का रास्ता बनाएगा। " नागरिकता के लिए योग्यता कांग्रेस निर्धारित करती है, लेकिन ट्रंप ने कहा कि गोल्ड कार्ड के लिए कांग्रेस की मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी।

चीनी जासूसी गुब्बारे मामले में पूर्व स्पीकर–अधिकारियों को धमकाना पड़ा भारी, शख्स को अब काटनी पड़ेगी सजा

बिलिंग्स। अमेरिका के मोंटाना राज्य के बिलिंग्स के रहने वाले एक व्यक्ति को पूर्व हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी को धमकी देने के मामले में सजा मिल सकती है। बता दें कि, यह व्यक्ति चीन के जासूसी गुब्बारे को न गिराने से इतना नाराज हो गया था कि उसने सरकारी अधिकारियों को फोन कर धमकियां दीं। जानकारी के मुताबिक, 45 वर्षीय रिचर्ड रॉजर्स ने 3 फरवरी 2023 को 75 मिनट के अंदर पूर्व हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी के कार्यालय में 100 से अधिक फोन कॉल किए। यह घटना तब हुई जब पेंटागन (अमेरिकी रक्षा विभाग) ने स्वीकार किया कि वह चीन के जासूसी गुब्बारे पर नजर रख रहा है। यह गुब्बारा बाद में अटलांटिक महासागर में गिराया गया था। इस मामले में सुनवाई के दौरान रिचर्ड रॉजर्स ने एफबीआई और मैक्कार्थी के कार्यालय को किए गए कॉल में भद्दी और अश्लील बातें कही थीं। अदालत में उसने सफाई दी कि यह उसका नागरिक अवज्ञा (सिविल डिसओबीडिएंस) का तरीका था और वह सिर्फ अपनी बात रखना चाहता था।

अदालत ने रिचर्ड रॉजर्स को कांग्रेस सदस्य को धमकी देने और सरकारी एजेंसियों को परेशान करने का दोषी पाया। इस अपराध के लिए अधिकतम 6 साल की जेल और 2.5 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 2 करोड़ रुपये) का जुर्माना हो सकता है। हालांकि, रॉजर्स का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, इसलिए उसे कम सजा मिल सकती है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
91945048227

डोनाल्ड ट्रंप के साथ मस्क का गठबंधन कनाडा के राष्ट्रीय हितों के लिए खतरा, एलन की नागरिकता रद्द करने के लिए याचिका शुरू

एलन मस्क की कनाडाई नागरिकता रद्द करने की मांग को लेकर एक याचिका शुरू की गई है, जिस पर 150,000 से ज़्यादा लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं। ब्रिटिश कोलंबिया की लेखिका क्वालिया रीड ने यह याचिका शुरू की है। अपनी याचिका में उन्होंने तर्क दिया है कि मस्क का ट्रंप के साथ गठबंधन कनाडा के राष्ट्रीय हितों के लिए ख़तरा है। न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद चार्ली एंगस से प्रायोजित इस याचिका में दावा किया गया है कि मस्क ने ट्रंप के निर्देश पर अमेरिकी संघीय सरकार का आकार छोटा करने के लिए सक्रिय रूप से काम किया है। बता दें, 20 जनवरी को दूसरे कार्यकाल के लिए व्हाइट हाउस लौटे ट्रंप कई बार कनाडा को अमेरिका में विलय करने को लेकर टिप्पणी करते सुने गए हैं। उन्होंने कनाडा को अमेरिका का ‘51वां राज्य’ बताया था। इसके बाद उन्होंने कनाडा से आयात पर भारी टैरिफ लगा दिया था। ट्रंप के इन फैसलों ने कई लोगों को चिंतित कर दिया था।

कनाडा के हितों के खिलाफ एलन मस्क

क्वालिया रीड की याचिका में दावा किया गया है कि एलन मस्क ने ऐसी गतिविधियों में भाग लिया है जो कनाडा के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ हैं, साथ ही यह भी कहा गया है कि ट्रंप के साथ उनके करीबी संबंध उन्हें एक विदेशी सरकार का सदस्य बनाते हैं जो कनाडा की संप्रभुता को मिटाने का प्रयास कर रही है। रीड और याचिका के हस्ताक्षरकर्ता प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से आग्रह कर रहे हैं कि वे मस्क की नागरिकता और पासपोर्ट को तुरंत रद्द कर दें। मस्क का जन्म दक्षिण अफ्रीका में हुआ था। वह अपनी मां के माध्यम से कनाडा के नागरिक बन गए, जो रेजिना, सस्केचेवान की मूल निवासी थीं। टेस्ला और स्पेसएक्स सहित प्रमुख अमेरिकी निगमों का नेतृत्व करने के बावजूद, याचिका में तर्क दिया गया है कि ट्रम्प के सलाहकार के रूप में उनकी भूमिका उन्हें कनाडाई स्वतंत्रता को कमजोर करने के प्रयासों में भागीदार बनाती है। कनाडा की संसदीय प्रक्रिया के अनुसार, याचिकाओं को हाउस ऑफ कॉमन्स में प्रस्तुत करने के लिए कम से कम 500 हस्ताक्षर एकत्र करने चाहिए और संभावित रूप से औपचारिक सरकारी प्रतिक्रिया प्राप्त करनी चाहिए। रीड की याचिका इस आवश्यकता से कहीं आगे निकल गई है, रविवार देर रात तक लगभग 157,000 हस्ताक्षरों तक पहुंच गई है, और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। संसद 24 मार्च को फिर से शुरू होने वाली है, हालांकि आम चुनाव की संभावना विधायी कार्यक्रम को बदल सकती है। याचिका पर हस्ताक्षर करने की अवधि 20 जून तक खुली है, जिससे और भी अधिक सार्वजनिक भागीदारी की गुंजाइश है।

गुतारेस मार्च में बांग्लादेश का दौरा करेंगे, एजेंडे में जबरन विस्थापित रोहिंग्या का मुद्दा शामिल

ढाका, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस 13–16 मार्च तक ढाका का दौरा करने वाले हैं, और उन्होंने कहा है कि विश्व निकाय जबरन विस्थापित रोहिंग्यों के मेजबान के रूप में बांग्लादेश का समर्थन करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष अपील जारी रखेगा। सरकारी समाचार एजेंसी 'बांग्लादेश संगबाद संस्था' (बीएसएस) ने बुधवार को कहा कि गुतारेस के कार्यालय ने उनकी यात्रा की तारीखों की पुष्टि की है। यह यात्रा बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के निमंत्रण के बाद हो रही है। बीएसएस ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में बांग्लादेश के स्थायी मिशन की एक विज्ञप्ति के मुताबिक, यह निमंत्रण रोहिंग्या मुद्दे और प्राथमिकता मामलों पर मुख्य सलाहकार के उच्च प्रतिनिधि खलीलुर रहमान ने सात फरवरी को न्यूयॉर्क में महासचिव के साथ अपनी बैठक के दौरान उन्हें दिया था। गुतारेस ने 25 फरवरी को यूनुस को लिखे एक पत्र में कहा कि वह बांग्लादेश और क्षेत्र में रोहिंग्या संकट के प्रभाव के साथ–साथ म्यांमा के रखाइन में बिगड़ती मानवीय स्थिति के बारे में बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार की चिंताओं को साझा करते हैं। उनके पत्र में लिखा है, "मैं म्यांमा गणराज्य के लिए अपने विशेष दूत के माध्यम से क्षेत्रीय हितधारकों, दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर काम करना जारी रखूंगा, ताकि म्यांमा में संकट का राजनीतिक समाधान निकाला जा सके। इस समाधान में रोहिंग्या की सुरक्षित और स्वैच्छिक रखइन वापसी के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाना भी शामिल है।" संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि उन्होंने अपने वरिष्ठ प्रबंधकों से बांग्लादेश और म्यांमा में 'संयुक्त राष्ट्र देश टीमों' को यह मार्गदर्शन देने का अनुरोध किया है कि कैसे "हम रखइन में समुदायों को मानवीय सहायता और आजीविका सहायता को अधिकतम कर सकते हैं।" पत्र का हवाला देते हुए, बीएसएस ने आगे कहा कि गुतारेस को उम्मीद है कि म्यांमा में रोहिंग्या मुसलमानों और अन्य अल्पसंख्यकों की स्थिति पर उच्च स्तरीय सम्मेलन नए सिरे से वैश्विक ध्यान आकर्षित करने और रोहिंग्या और अन्य अल्पसंख्यकों के लिए व्यापक समाधान विकसित करने में योगदान देने का अवसर होगा।

मित्र ट्रम्प से मुलाकात के बाद अब रूस जाएंगे पीएम मोदी, विक्ट्री डे परेड के बन सकते हैं मुख्य अतिथि

महान देशभक्तिपूर्ण युद्ध में विजय की 80वीं वर्षगांठ में भाग लेने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के 9 मई को रूस जाने की उम्मीद है। रूसी मीडिया ने बुधवार को इस बात की जानकारी दी है। रूसी समाचार एजेंसी ‘इज़्वेस्तिया’ ने सैन्य सूत्रों के हवाले से दावा किया कि पीएम मोदी के दौरे की ‘उच्च संभावना’ है। टीएएसएस की रिपोर्ट के अनुसार, एजेंसी के सूत्र ने कहा, ‘प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 मई को मॉस्को में होने वाली परेड में शामिल होने की योजना बना रहे हैं। इसकी अत्यधिक संभावना है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि रेड स्क्वायर पर परेड में भारतीय सशस्त्र बलों की एक औपचारिक इकाई की भागीदारी पर भी काम किया जा रहा है। विशेष रूप से, भारतीय दल को रिहर्सल के लिए परेड से कम से कम एक महीने पहले पहुंचना होगा। इससे पहले, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा था कि कई आमंत्रित देशों ने महान देशभक्तिपूर्ण युद्ध में विजय की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर 9 मई को मास्को में आगामी कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रेस सचिव दिमित्री पेसकोव ने कहा कि 9 मई के जश्न में भाग लेने के लिए सीआईएस ही नहीं बल्कि विभिन्न देशों के विदेशी नेताओं को मास्को में आमंत्रित किया जाएगा। पिछले अक्टूबर में, पीएम मोदी ने पुतिन के निमंत्रण पर 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रूस का दौरा किया था, जिसकी अध्यक्षता मॉस्को कर रहा था। पीएम मोदी की आगामी रूस यात्रा इसलिए महत्व रखती है क्योंकि यह ऐसे समय में हो रही है जब रूस और यूक्रेन दोनों युद्ध समाप्त करने की दिशा में बातचीत में लगे हुए हैं। भारत शांति के लिए प्रतिबद्ध है और रूस और यूक्रेन के बीच शत्रुता समाप्त करने की वकालत करता है। इससे पहले पुतिन की मौजूदगी में पीएम मोदी ने रूस–यूक्रेन संघर्ष पर बोलते हुए कहा, ‘यह युद्ध का युग नहीं है।’ हाल में ही मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ मुलाकात की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ मीडिया को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि भारत रूस–यूक्रेन संघर्ष में तटस्थ नहीं है क्योंकि वह शांति का पक्षधर है।

यूक्रेन और अमेरिका के बीच महत्वपूर्ण खनिज सौदे पर सहमति, मसौदे पर जल्द हस्ताक्षर होंगे

लंबी बातचीत के बाद यूक्रेन और अमेरिका ने व्यापक आर्थिक समझौते के मसौदे की शर्तों पर सहमति जताई है, जिसमें दुर्लभ खनिजों के दोहन पर समझौता भी शामिल है। मामले से परिचित तीन वरिष्ठ यूक्रेनी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि वे इस विषय पर सार्वजनिक रूप से बोलने के लिए अधिकृत नहीं हैं। सूत्रों ने कहा कि दोनों पक्षों के अधिकारियों ने मसौदे पर सहमति जताई है और सलाह दी है कि इस पर हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। एक अधिकारी ने कहा कि कीव को उम्मीद है कि समझौते पर हस्ताक्षर करने से यूक्रेन को अमेरिकी सैन्य सहायता का निरंतर प्रवाह सुनिश्चित होगा, जिसकी उसे तत्काल आवश्यकता है। एक अन्य यूक्रेनी अधिकारी ने कहा कि यह समझौता ज़ेलेंस्की और ट्रंप को यूक्रेन को सैन्य सहायता जारी रखने पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करेगा और यही कारण है कि कीव इस सौदे को अंतिम रूप देने के लिए उत्सुक है। ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की शुक्रवार को वाशिंगटन आना चाहते हैं और एक ‘बहुत बड़े सौदे’ पर हस्ताक्षर करना चाहते हैं। यह पिछले सप्ताह दोनों नेताओं के बीच शत्रुतापूर्ण शब्दों के आदान–प्रदान के बाद हुआ है। ट्रंप ने यह भी कहा कि यदि संघर्ष को समाप्त करने के लिए कोई समझौता होता है, तो यूक्रेन में किसी प्रकार के शांति सैनिकों की आवश्यकता होगी। वाशिंगटन द्वारा यूक्रेन की प्राकृतिक संपदा में +500 बिलियन के अधिकार मांगे जाने के कारण ज़ेलेंस्की ने खनिज समझौते के पहले के मसौदे पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। कीव ने विरोध किया कि उसे अमेरिकी सहायता में इससे बहुत कम मिला है और इस सौदे में यूक्रेन की ज़रूरतों के अनुसार सुरक्षा गारंटी का अभाव है। यह पूछे जाने पर कि खनिज सौदे के बदले यूक्रेन को क्या मिलेगा, ट्रंप ने कहा कि उन्होंने जो कहा वह यह है कि अमेरिका द्वारा पहले ही +350 बिलियन प्रदान किए जा चुके हैं और बहुत सारे सैन्य उपकरण और लड़ने का अधिकार। यह पूछे जाने पर कि अमेरिका कब तक हथियार प्रदान करना जारी रखेगा, ट्रंप ने कहा, ‘शायद कुछ समय के लिए आगे बढ़ सकता है, और शायद तब तक जब तक हम रूस के साथ सौदा नहीं कर लेते।’ लेकिन उन्होंने फिर से भविष्यवाणी की कि युद्ध जल्दी समाप्त हो सकता है, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि ऐसा कैसे हो सकता है।

सैकड़ों कैदियों के बदले चार इस्राइली के शव सौंपेगा हमास, इसी हफ्ते खत्म हो रहा समझौता

तेल अवीव। इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम के पहले चरण की समाप्ति से कुछ दिन पहले ही हमास सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले में गुरुवार को चार मृत इस्राइली बंधकों के शव लौटाएगा। इस्राइल ने हमास की तरफ से बंधकों की रिहाई के दौरान उनके साथ किए गए क्रूर व्यवहार के विरोध में शनिवार से लगभग 600 फलस्तीनी कैदियों की रिहाई में देरी की थी। इस पर हमास ने कहा है कि हमास ने कहा है कि यह देरी उनके संघर्ष विराम का गंभीर उल्लंघन है और जब तक फलस्तीनियों को रिहा नहीं किया जाता, तब तक दूसरे चरण पर बातचीत संभव नहीं है।

पीएम ओली ने पशुपतिनाथ मंदिर का दौरा कर महाशिवरात्रि तैयारियों की समीक्षा की

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने मंगलवार को भगवान शिव को समर्पित प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर का दौरा किया, जहां उन्होंने महाशिवरात्रि के लिए तैयारियों की समीक्षा की। नेपाल को महाशिवरात्रि के मौके पर एक मिलियन से अधिक भक्तों के आने की उम्मीद है, जिनमें भारत से भी कई भक्त शामिल होंगे। प्रधानमंत्री ओली ने पूजा और आरती में भी भाग लिया। पशुपति क्षेत्र विकास ट्रस्ट के अधिकारियों ने उन्हें आयोजन की मौजूदा तैयारियों के बारे में जानकारी दी। नेपाल में महाशिवरात्रि के दिन एक मिलियन से अधिक लोग आने की उम्मीद है। इस अवसर के महत्व को पहचानते हुए, प्रधानमंत्री ओली ने मंदिर अधिकारियों को सुरक्षित, व्यवस्थित और अनुशासित उत्सव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए आसान दर्शन की व्यवस्था करने पर जोर दिया। बता दें कि पशुपतिनाथ मंदिर, जो बागमती नदी के किनारे स्थित है, महाशिवरात्रि के लिए रंगीन बत्तियों, कागज के झंडों और बैनरों से सजाया गया है। मंदिर बुधवार को सुबह 2ः15 बजे खोला जाएगा, ताकि भक्तों को चारों द्वारों से शिवलिंग के दर्शन मिल सकें। नेपाल और भारत से श्रद्धालु पहले ही मंदिर पहुंचना शुरू कर चुके हैं और विशेष पूजा के लिए लंबी कतारों में खड़े हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।